khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

शनिवार – 08 जुलाई 2023

वर्ष : 02 – अंक : 258

पृष्ठ–8 मूल्य – 1:00 रूपये

आरएनआई : UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

2 राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शिया पीजी कालेज में मुख्यातिथि....

3 ए बाबू जरा संभल के चलो, बड़े धोखे है इन राहो ....

5 सातदिवसिय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का ....

एलडीए अधिकारियों की बड़ी चाल आयी सामने

आखिर प्रवर्तन में वर्षो से क्यों है दागदार सुपरवाइजरो का बोलबाला

हर एक प्रवर्तन जोन में सुपरवाइजरों का मुखिया सुपरवाइजर रहता है तैनात ,जो अवैध निर्माणों के संरक्षण के लिए लविप्रा अधिकारियों से करता है सेटिंग।

- **प्रवर्तन सुपरवाइजरों की बदौलत शहर में अवैध निर्माणों की आयी बाढ़।**
- **एलडीए अधिकारी वीसी को गुमराह कर करवा रहे राजधानी में अवैध निर्माण।**
- **सातों प्रवर्तन जोनों के अवैध निर्माणों की जिम्मेदारी संभाल रहे संबंधित जोनों के सुपरवाइजर।**
- **सभी जोनों के सुपरवाइजरों के जोनों में कई सालों से कोई परिवर्तन नहीं।**
- **सुपरवाइजरों के सालों से एक ही जोन में जमे रहने के पीछे एलडीए के ही एक बड़े अधिकारी हाथ आ रहा सामने।**

प्रवर्तन जोन 7 के चौक क्षेत्र में है इनका बोलबाला, नहीं हुआ सालों से इनका परिवर्तन

के डी तिवारी जोन 7

बृहद विडंबना यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी चौकीदार कृष्णदत्त तिवारी की तैनाती भी पार्कों में चौकीदारी की थी,जिससे थाना चौक के आस पास की पार्कों में तैनाती होने के कारण बिल्डरों से अच्छा संपर्क होने लगा और लविप्रा के प्रवर्तन में साठगांठ का तालमेल में महारत से उस एक अधिकारी का आंख का तारा बन गया, उसकी अनुकंपा चौकीदार के.डी तिवारी पर होने लगी, ऊँची पहुँच के चलते के.डी तिवारी को सुपरवाइजर पद पर तैनाती मिल गई,जिसे प्रवर्तन जोन 7 के थाना चौक में तैनाती दी गई, हैरत की बात है कि कई वर्षो से एक ही जोन 7 में जमे रहने और अवैध निर्माण को संरक्षण व अवैध वसूली की शिकायतों के आरोप पर जोनल अधिकारी ने बड़ी चालाकी से आदेश पारित कर चौकीदार तिवारी को प्रवर्तन कार्य से कार्यमुक्त कर दिया और अपने प्रवर्तन जोन 7 के कार्यालय में चौकीदारी पर सम्बद्ध दिखाकर प्रवर्तन अधिकारियों संग तालमेल बना दिया, वही के डी तिवारी ने उदयवीर पूर्व अवर अभियंता जोन 7 ६ प्रमोटेड सहायक अभियंता जोन 7 से तालमेल कर थाना चौक के सुपरवाइजर (मेट) राजेश अवस्थी के साथ जुगलबंदी कर अवैध निर्माणों को संरक्षण देकर तालमेल करने में अहम भूमिका अदा कर रहा है।

प्रवर्तन में सुपरवाइजर नाजिम रजा का वर्षो से जोन का नहीं हुआ परिवर्तन

नाजिम रजा जोन 7

प्रवर्तन जोन 7 में करीब पांच वर्षों से तैनात नाजिम रजा अवैध निर्माण के संरक्षणदाता प्रवर्तन जोन 7 में बोलबाला है,जो कि पूर्व में पार्क में तैनात किया गया, मगर बिल्डरों के अवैध निर्माणों से गठजोड़ साठगांठ में महारत व काबिलियत को मद्देनजर रखते हुए चंद समय बाद लविप्रा के उस अधिकारी ने जोन 7 में थाना ठाकुरगंज व थाना काकोरी आंशिक के क्षेत्र में तैनात दी, जिसके फलस्वरूप अवैध निर्माणो के प्रभावशाली संरक्षणदाता नाजिम रजा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण करवाए जा रहे है, विदित हो कि श्री रजा को पूर्व में पार्क में तैनात किया गया,लेकिन अवैध निर्माणकर्ताओ व बिल्डरों की साठगांठ के चलते जोन 7 में तैनाती प्राप्त कर ली गयी, इधर तैनाती पाते ही क्षेत्र में अवैध निर्माणों की भरमार सी हो गई है ।

कई सालो से जोन 7 में मुखिया सुपरवाइजर की है तैनाती

लविप्रा के उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी द्वारा प्रवर्तन अधिकारियों की बैठक में लंबे समय से प्रवर्तन जोन 7 में तैनात अवैध निर्माणों के ठेकेदार प्रभावशाली सुपरवाइजर नाजिम रजा, राजकुमार,कृष्ण दत्त तिवारी उर्फ के.डी तिवारी,दुर्गेश श्रीवास्तव,राजेश अवस्थी तथा जोन 4 मे तैनात अशिक्षित शिव करन व शिव वरदान सूबेदार तथा प्रवर्तन जोन 5 में तैनाती के दौरान अवैध वसूली के आरोप में हटाए गए सुपरवाइजर वर्तमान में प्रवर्तन जोन 4 में तैनात गिरीश यादव आदि को हटाने के निर्देश देने के बाद भी आज तक नहीं हटाया गया ।

लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी के द्वारा पदभार ग्रहण करने के बाद अवैध निर्माणों के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए प्रभावी कार्यवाही करने के प्रवर्तन अधिकारियों को निर्देश दिए गए, लेकिन जमीनी हकीकत मे अधिकारियों के आगे निर्देश हवा हवाई प्रतीत हो रहे हैं, उपाध्यक्ष डा0 इंद्रमणि त्रिपाठी के द्वारा अवैध निर्माण करवाने में लिप्त कई अवर अभियंताओं तथा सुपरवाइजर को हटाए जाने के बाद भी प्रवर्तन

राजकुमार जोन 7

राजेश अवस्थी जोन 7

दुर्गेश श्रीवास्तव जोन 7

में तैनात अवर अभियंता व सुपरवाइजर की कार्यशैली में कोई सुधार नहीं हो रहा है, बल्कि चंद समय के बाद हटाए गये अवर अभियंता व दागदार सुपरवाइजर प्रवर्तन जोन में तैनाती पाने में सफल हो गए। जिनके सालों से प्रवर्तन जोन में जमे सुपरवाइजरों की अकूत संपत्ति के चर्चे भी हो रखे हैं आम, कयास यहां तक लगाया जा रहा है कि जब सुपरवाइजरों के पास इतनी ज्यादा अकूत संपत्ति है कि कुछ स्वयंसेवी संगठनों द्वारा लगातार ईडी जांच की मांग की जा रही है तो इन सुपरवाइजरों को अपना संरक्षण देने वाले एलडीए अधिकारी के पास कितनी संपत्ति होगी इसका अंदाजा लगा पाना ही मुश्किल होगा। पूरा मामला आपको बता दें जो कि कुछ इस तरह से है इन दिनों एलडीए उपाध्यक्ष डा0 इंद्रमणि त्रिपाठी अवैध निर्माणों पर पाबंदी लगाने के लिए भरसक प्रयास में लगे हुए हैं, मगर उनके सभी प्रयास नाकामयाब होते जा रहे हैं क्योंकि लगभग सभी सातों जोनों में अवैध निर्माणों की भरमार सी आयी हुयी है। जिसमे प्रथम स्थान प्रवर्तन जोन 7 का है उधर प्राधिकरण में इंद्रमणि त्रिपाठी जब उपाध्यक्ष बनकर आए तो वह खुद फील्ड में उतर कर अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने के साथ कुछ क्षेत्रीय अभियंताओं पर कार्रवाई तो करी पर इन सबके बावजूद अवैध निर्माण बदस्तूर जारी है। शहर में बदस्तूर जारी, अवैध निर्माणों को रोकने की युक्ति ढुंढने में वर्तमान उपाध्यक्ष साहब पूरी तरह से फेल नजर आ रहे हैं। जब अवैध निर्माणों के जारी रहने के पीछे का कारण जानना चाहा तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आये। पहला तो यही कि उपाध्यक्ष साहब ने क्षेत्रीय अवर अभियंताओं के तो अवैध निर्माणों के नाम पर जोनों को बदला मगर जोन में तैनात सुपरवाइजर पर तो निगाह तक नहीं गयी। जबकि अवैध निर्माण के असली सूत्रधार तो सुपरवाइजर ही थे। दूसरा अहम पहलू यह भी है कि कुछ अंतरालों पर प्रवर्तन जोनों के इंजीनियरों को बदला गया मगर फिर उपाध्यक्ष साहब ने वही गलती दोहराते हुए सुपरवाइजरों को बख्श दिया। उपाध्यक्ष साहब द्वारा लगातार सुपरवाइजरों पर से निगाह हटाने के पीछे एक ही कारण रहा और वो यह है कि सुपरवाइजरों के स्थानांतरण की जिम्मेदारी एलडीए के अन्य अधिकारी की थी और अंत में जानकारी मिला रही है कि अवैध निर्माणों पर अंकुश न लग पाने में सारा खेला तो उसी का था।

भगवान जगन्नाथ पुरी मंदिर में है कितना धन और जेवर? क्या है रत्न भंडार का दशकों पुराना रहस्य

पुरी। भारत के सबसे अमीर धार्मिक स्थलों में शुमार भगवान जगन्नाथ पुरी मंदिर की संपत्ति को लेकर कई तरह के कयास लगते रहते हैं। मंदिर के पास कितना धन है, इसे लेकर एक बार फिर उड़ीसा उच्च न्यायालय में सवाल पूछा गया है। खास बात है कि 1978 के बाद से ही मंदिर में मौजूद आभूषणों की सूची तैयार नहीं की गई है। 45 सालों से यह रहस्य बना हुआ है कि आखिर देवताओं को हीरे, सोने और चांदी के आभूषणों का मूल्य क्या होगा। दरअसल, 30 जून को ही हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल हुई है, जिसमें रत्न भंडार को खुलवाकर अंदर मौजूद चीजों की सूची बनाए जाने की मांग की गई है। याचिका दाखिल होने के बाद बुधवार को मंदिर प्रशासन को हलफनामा दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया है। श्री जगन्नाथ टेंपल एडमिनिस्ट्रेशन के मुख्य प्रशासक रंजन कुमार दास का कहना है कि हम इस नोटिस पर गौर करेंगे और प्रतिक्रिया देंगे। खास बात है कि जगन्नाथ टेंपल एक्ट 1955 में कहा गया है कि रत्न भंडार की सूची को हर तीन सालों में एक बार तैयार किया ही जाना चाहिए। हालांकि, ऐसा लंबे समय से नहीं हुआ है।

कब तैयार की गई थी सूची–मंदिर के खजाने में मौजूद चीजों की सूची साल 1926 और फिर 52 सालों के बाद 1978 में तैयार की गई थी। हालांकि, 1978 में आभूषणों का मूल्यांकन नहीं हुई था। इसके बाद साल 2018 में राज्य सरकार ने जांच के लिए रत्न भंडार को दोबारा खोलने की तैयारी की, लेकिन उस दौरान कमरे की चाबियां नहीं मिलने के चलते अधिकारी काम पूरा नहीं कर सके थे। अनुमान है कि भगवान जगन्नाथ पुरी मंदिर में हर साल 3 लाख 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचते हैं। साथ ही माना जाता है कि हर साल मंदिर की कमाई करीब 150 करोड़ रुपये है। साथ ही मंदिर को हर वर्ष 1.72 करोड़ रुपये से ज्यादा का डोनेशन भी मिलता है।

अभी और टूटेगा शरद पवार का सियासी कुनबा? भतीजे अजित के संपर्क में हैं 3 एमएलए

- तीनों ही विधायक यह कहते रहे हैं कि वह सीनियर पवार के साथ बने रहेंगे। इसके अलावा यशवंतराव चव्हाण केंद्र में आयोजित बैठक का भी हिस्सा रहे थे। लेकिन ताजा सियासी घटनाक्रम ने चर्चाएं तेज कर दी हैं।

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में फूट के बाद दिग्गज शरद पवार को और भी सियासी झटके लग सकते हैं। अटकलें हैं कि हाल ही में सीनियर पवार की तरफ से बुलाई गई बैठक का हिस्सा रहे तीन विधायक अजित के संपर्क में हैं। खबर है कि तीनों ने महाराष्ट्र के नए उपमुख्यमंत्री से मुलाकात भी की है। हालांकि, अब तक इसे लेकर अजित या शरद कैंप की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, विधायक चेतन तुपे और सुनील भुसारा हाल ही में अजित से मिले थे। इनमें टोपे, भुसारा और अजित के बीच बैठक गुरुवार रात देवगिरी बंगले पर हुई। जबकि, तुपे शुक्रवार सुबह मुलाकात करने गए थे। फिलहाल, यह भी साफ नहीं है कि अब तक चारों नेताओं के बीच क्या चर्चा हुई है। बहरहाल, तीनों ही विधायक यह कहते रहे हैं कि वह सीनियर पवार के साथ बने

रहेंगे। इसके अलावा यशवंतराव चव्हाण केंद्र में आयोजित बैठक का भी हिस्सा रहे थे। लेकिन ताजा सियासी घटनाक्रम ने चर्चाएं तेज कर दी हैं। कोरोनावायरस महामारी के बीच टोपे खासे

> **अब तक इसे लेकर अजित या शरद कैंप की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, विधायक चेतन तुपे और सुनील भुसारा हाल ही में अजित से मिले थे।**

चर्चा में रहे थे। साथ ही महाराष्ट्र में महामारी पर नियंत्रण करने को लेकर उनकी तारीफ भी हुई थी।

किसके पास कितना दम

अजित कैंप को दल बदल कानून से बचने के लिए करीब 36 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। उनका खेमा 40 विधायकों के समर्थन का दावा कर रहा है। खबरें थी कि अजित ने राज्यपाल रमेश बैस को 40 विधायकों के समर्थन की सूची भी दे दी है। हालांकि, बताया जा रहा है कि अजित की बैठक में 32 विधायक शामिल हुए थे। जबकि, सीनियर पवार के मींटिंग का हिस्सा 12-13 विधायक बने थे।

अब पार्टी पर नियंत्रण की कोशिशें

फूट के बाद अब चाचा-भतीजे में एनसीपी पर नियंत्रण की कोशिशें तेज होती जा रही हैं। दोनों ही नेता अपने आप को पार्टी का अध्यक्ष बता चुके हैं। इधर, अजित खेमा पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न 'घड़ी' पर अधिकार हासिल करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग यानी ECI का भी रुख कर चुका है। सीनियर पवार ने अजित कैंप की तरफ से देरी से की गई इस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं।

पीएम मोदी की सभा में जा रही बस पलटी, तीन लोगों की मौत; 6 गंभीर

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार से दो दिनों के दौरे पर निकल रहे हैं। इस दौरान वह उत्तर प्रदेश के गोरखपुर समेत 4 राज्यों का दौरा करेंगे। शुक्रवार को वह गोरखपुर में स्थित गीता प्रेस के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे। यहां वह गोरखपुर-लखनऊ और जोधपुर से अहमदाबाद के लिए शुरू हो रहीं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे। गोरखपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की भी आधारशिला में पीएम मोदी रखने वाले हैं। पीएम मोदी के दौरे की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होनी है। उसके बाद वह गोरखपुर दोपहर तक पहुंचेंगे। पीएम मोदी शनिवार को राजस्थान और तेलंगाना में रहने वाले हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पीएम मोदी 5 नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स की आधारशिला रखेंगे। इन्हें 6,400 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाना है। यही नहीं रायपुर खरियर रोड रेल लाइन को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। गोरखपुर में पीएम मोदी चित्रमय शिवपुराण ग्रंथ का विमोचन करेंगे और लीला चित्र मंदिर भी जाएंगे।

भाजपा से दोस्ती में घाटे का डर! यूसीसी के चलते क्यों पीछे हटा अकाली दल; कहां अटकी गठबंधन की बात

नई दिल्ली। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और भाजपा का लोकसभा चुनाव से पहले गठबंधन हो सकता है। यह चर्चा जितनी तेजी से फैली थी, उतनी ही जल्दी खारिज भी हो गई। एक तरफ अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल ने ऐसे कयासों को खारिज कर दिया तो वहीं पंजाब के भाजपा प्रभारी विजय रूपाणी ने भी ऐसे किसी समझौते से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ने जा रही है। सुनील जाखड़ ने भी अकाली दल के साथ गठबंधन की बातचीत से इनकार किया। हालांकि यह भी कहा कि वह इस बारे में फैसला लेने का अधिकार नहीं रखते हैं। हाईकमान ही इस बारे में कुछ तय करेगा। सुखबीर बादल ने भी कहा कि हमारी भाजपा के साथ गठबंधन की बात नहीं चल रही। हालांकि इस बीच अकाली दल के सूत्रों ने बताया है कि आखिर दोनों दलों के बीच बात कहां अटकी है। दरअसल अकाली दल चाहता है कि भाजपा समान नागरिक संहिता के

मुद्दे पर पीछे हट जाए, जो पंजाब में संवेदनशील मुद्दा है। अकाली दल चाहता है कि भाजपा भरोसा दे कि वह समान नागरिक संहिता की बात नहीं करेगी। इसके अलावा सिख कैदियों को भी जेल से रिहा किया जाए। तभी गठबंधन पर बात हो सकती है। वहीं भाजपा को लगता है कि समान नागरिक संहिता से पूरे देश में माहौल बनेगा और पंजाब में गठबंधन भर के लिए इसका त्याग करना ठीक नहीं होगा।

सिख संस्थाएं यूसीसी के विरोध में, भगवंत मान का भी ऐलान

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भी समान नागरिक संहिता का विरोध किया है। यही नहीं सिख संगठनों ने भी इसके खिलाफ राय जाहिर की है और सिख पर्सनल लॉ बोर्ड भी गठन करने का फैसला लिया है। सिख संस्थाओं का मानना है कि यूसीसी के जरिए उनके धार्मिक नियमों में दखल दिया जा सकता है। इस संबंध में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की मीटिंग भी हुई है, जिसमें समान नागरिक संहिता को लाने के विरोध का ऐलान किया गया है। इसके अलावा नई संस्था के गठन का भी फैसला हुआ।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शिया पीजी कालेज में मुख्यातिथि के रूप दीक्षांत समारोह में हुई उपस्थित

कला संकाय भवन का फीता काटकर किया उद्घाटन, दीक्षांत समारोह के पूर्व कश्लेज में लगाए पीपल के वृक्ष

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ शिया पीजी कालेज में गुरुवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के रूप में राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदी बेन पटेल मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। दीक्षांत समारोह के पूर्व राज्यपाल ने कालेज के प्रांगण में पीपल के वृक्ष लगाए जिसके बाद कला संकाय का फीता काटकर उद्घाटन किया।उद्घाटन से पूर्व महाविद्यालय के 'के हाल' में उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए मा राज्यपाल ने कहा कि चाहे आप के पास जितनी भी धन–दौलत हो वह अगली पीढ़ियों तक मुश्किल से जाती है, क्योंकि यह समाप्त होने वाली चीज है। वहीं शिक्षा एक ऐसी दौलत है, जोकि कई पीढ़ियों तक जाती है। इस दौरान प्रबन्ध–समिति के अध्यक्ष प्रो0 अजीज हैदर, महाविद्यालय के प्रबन्धक एस0 अब्बास मुर्तजा ने राज्य पाल को पौधा भेंट किया।राज्यपाल महोदया के स्वागत में एनसीसी के कैडेट, एनएसएस के स्वयं सेवक, कल्चरल कमेटी और ग्रीन कमेटी के वालेंटियर गेट से लेकर हाल तक कतारबद्ध तरीके से खड़े थे और राज्यपाल महोदया के आने पर विशेष ताली व पुष्प वर्षा करके किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन महाविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ.एमएम एजाज अब्बास ने किया। अपनी निजी शिक्षा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे गाँव में बेटियों की शिक्षा के लिए कोई प्रबंध नहीं होते थे। केवल महिला शिक्षा के लिए कक्षा–4 तक की कक्षाओं तक का स्कूल था और वो भी मेरे गाँव से 4 किलोमीटर दूर दूसरे गाँव में स्थित था। मेरे परिवार मेंशिक्षा को लेकर काफी जागरूकता थी, जिसके चलते जब मैं कक्षा 5 में आयी तो मेरा एडमिशन ऐसे स्कूल में कराया गया जहाँ मेंअकली लड़की हुआ करती थी।मेरा तीस साल का बतौर शिक्षिका और बीस साल सरकारी विभागों में खासकर शिक्षा विभाग के कार्या में अनुभव रहा है। पहले दस–दस साल तक पाठ्यक्रम नहीं बदलते थे। अब नई शिक्षा नीति को मजबूती से लागू किया जा रहा है। जिससे छात्र–छात्राओं को अपनी जिज्ञासा के अनुसार विषय चुनने की प्राथमिकता दी जा रही है।

जयंत के ट्वीट पर सियासत

लखनऊ (संवाददाता)। जयंत कई बार यह कह चुके हैं उनका गठबंधन सपा के साथ मजबूत है। यहां तक कि उतनी उनकी पत्नी चारु ने भी यह कहा कि वह चवन्नी नहीं हैं जो पलट जाएं। लेकिन बीती रात जयंत ने एक के बाद एक दो ट्वीट करके फिर एक नई बहस को जन्म दे दिया। सियासी गलियारों में इस समय तमाम चर्चाओं का बाजार गर्म है। कभी रालोद प्रमुख जयंत के भाजपा में शामिल होने की चर्चा चल जाती है तो कभी सपा रालोद गठबंधन को मजबूत बताया जाता है। उधर, जयंत कई बार यह कह चुके हैं उनका गठबंधन सपा के साथ मजबूत है। यहां तक कि उतनी उनकी पत्नी चारु ने भी यह कहा कि वह चवन्नी नहीं हैं जो पलट जाएं। लेकिन बीती रात जयंत ने एक के बाद एक दो ट्वीट करके फिर एक नई बहस को जन्म दे दिया।

प्रगति विचारधारा फाउंडेशन ने लगाए 101 पौधे, वन महोत्सव के उपलक्ष्य में यूपी में लगाए जाएंगे 5100 पौधे

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए पिछले कई वर्षों से कार्य कर रही सामाजिक संस्था प्रगति विचारधारा फाउंडेशन ने वन महोत्सव के उपलक्ष पर शुक्रवार आशियाना स्थित ओपी आहूजा पार्क व मैरी गार्डन पार्क में 101 पौधे लगाए । संस्था की अध्यक्षा नेहा खरे ने बताया कि वन महोत्सव के उपक्ष्य पर झांसी कोच समेत कई जिलों में 501 पौधे पूर्व में ही लगाए जा चुके हैं । संस्था का लक्ष्य प्रदेश के सभी जिलों में 5100 पौधे लगाने का है । उन्होंने बताया कि लगाए गए पौधों की देखरेख का जिम्मा संस्था से जुड़े लोगों का ही है । इस मौके पर संस्था की सचिव रेखा झा, कोषाध्यक्ष पूनम सिंह, पार्क के संरक्षक गौतम आहूजा समेत संस्था के दर्जनों लोग मौजूद रहे । गौतम आहूजा ने बताया कि हमारी संस्था द्वारा किए जा रहे इस पुनीत कार्य के लिए हाल ही में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था।

मॉस्को के सरकारी प्रतिनिधियों से मिले उद्यान–मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

खब्बर दृष्टिकोण लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मॉस्को यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश में बागवानी तथा अन्य क्षेत्रों में निवेश की सम्भावनाओं को मॉस्को सरकार के प्रतिनिधियों के साथ साझा किया। उन्होंने मॉस्को सरकार के प्रतिनिधियों से उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ाकर पारस्परिक हितों को और अधिक मजबूत करने की अपील की। उद्यान मंत्री ने प्रदेश के बागवानी उत्पादों के निर्यात तथा खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में यूनिट लगाने के सम्बन्ध में गहन चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मॉस्को सरकार के प्रतिनिधियों को राम दरबार की प्रतिकृति भेंट की। उन्होंने मॉस्को मे मैंगो शो के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इस मैंगो शो में उत्तर प्रदेश के किसानों के द्वारा उत्पादित विभिन्न किस्मों के आमों की प्रदर्शनी लगायी जायेगी। उन्होंने मॉस्को सरकार के प्रतिनिधियों से कहा कि उत्तर प्रदेश में विभिन्न प्रकार के आमों का उत्पादन किया जाता है, जो अपने विशिष्टि स्वाद के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उद्यान मंत्री ने बताया कि मॉस्को सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सकारात्मक व गौरवपूर्ण रही। इस बैठक से दोनों साझेदारों के बीच संबंधों में और प्रगाढ़ता आयेगी और भविष्य में इसके दूरगामी परिणाम भी सामने आयेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की नीतियों और दूरदर्शिता के चलते संभव हुआ है कि आज उत्तर प्रदेश में विभिन्न देशों के निवेशक निवेश करने आ रहे हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के अनेक उत्पाद विभिन्न देशों में निर्यात किये जा रहे हैं। उन्होंने आशा जताई कि मॉस्को सरकार के प्रतिनिधियों के साथ हुयी यह बैठक उत्तर प्रदेश के उद्यान क्षेत्र की समृद्धि के लिए मील का पत्थर साबित होगी। बैठक में मॉस्को सरकार की तरफ से मास्को शहर के विदेशी आर्थिक और अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग के उप प्रमुख श्री मनुइलोव ब्याचेस्लाव (विक्टोरोविच), अंतर्राष्ट्रीय संबंध अनुभाग, मास्को शहर के विदेशी आर्थिक और अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग उप प्रमुख बाराटोव सर्गेई (एरास्तोविच) एवं मास्को शहर के विदेशी आर्थिक और अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग के मुख्य विशेषज्ञ विनोग्रादोवा अनास्तासिया (एवगेनिन्ना) तथा उत्तर प्रदेश के उद्यान निदेशक डॉ. आर. केतोमर, उप निदेशक उद्यान राजीव वर्मा उपस्थित रहे।

शहादत शब्द दुख नही बल्कि गर्व की अनुभूति कराता है– विजय

देश प्रेम की भवनाओं से ओत प्रोत है फौजा फिल्म, उरई के एक सिनेमा घर मे हुआ फिल्म का प्रमोशन

खबर दृष्टिकोणं। उरई जालौन–उरई के कालपी रोड स्थित अर्चना सिनेप्लेक्स में फौजा फिल्म का प्रमोशन हुआ प्रमोशन में बतौर अतिथि पूर्व पालिका अध्यक्ष विजय चौधरी शिक्षक संघ के नेता अशोक राठौर उपस्थित रहे। उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के साथ साथ पूरी फिल्म देखी फिल्म के डायरेक्टर प्रमोद प्रमोद कुमार ने बताया कि फौजा फिल्म देश के प्रति समर्पित फिल्म है सैनिकों को समर्पित फिल्म श्फौजाश का शो उरई में रिलीज हुआ। फिल्म देखने के बाद पूर्व पालिका अध्यक्ष ने कहा कि हमें हमेशा फौजियों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिल्म की सबसे खास बात है इसकी कहानी जो हर उम्र के लोगों के दिल में उतरने का सामर्थ्य रखती है। टीम फौजा ने बताया कि कहानी को प्रवेश राजपूत ने लिखा है तथा डायरेक्टर प्रमोद कुमार ने पर्दे पर संजोया है जिसे पवन राज मल्होत्रा जैसे मंजे हुए कलाकारों ने अपने अभिनय से जीवंत किया है। फिल्म में एक पिता–पुत्र की कहानी को पिरोया गया है जिसमें बुजुर्ग एवं नौजवान पीढ़ी के मन में सेना में भर्ती को लेकर अलग मत दर्शाया गया है। जहां एक और पिता अपने परिवार की परंपरा निभाते हुए अपने पुत्र को सेना में भेजना चाहता है, वहीं नौजवान बेटे का मन फौज की नौकरी से विमुख है। दोनों में से किसकी जिद की जीत होती है। इस दौरान राहुल चौहरी बाबा चौधरी, ज्ञान सिंह गौतम, प्रशन्न भूषण, धर्मेंद्र कुमार लेफ्टिनेंट अफसर एनसीसी, डॉक्टर गोविंद कुमार सुमन, संतोष दिक्षित, आदि उपस्थित रहे।

एक महिला समेत छ वारंटी गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट पर बीकेटी पुलिस व तालकटोरा पुलिस ने सात वारंटियो को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। बीकेटी पुलिस के मुताबिक दर्ज मुकदमे में पेशी पर नहीं जा रहे चार अभियुक्तों के खिलाफ न्यायालय ने गैर जामनती वारंट जारी किया था।जिसपर शुक्रवार को गुलशन उर्फ रमेश पुत्र स्व सुरेश निवासी देवरी रुखारा, छोटेलाल पुत्र सकटू निवासी कोटवा थाना बीकेटी ,सलीम पुत्र मुन्ना निवासी नविकोट नन्दना ,राकेश पुत्र दयाराम निवासी ग्राम नगुवामऊ थाना बीकेटी को गिरफ्तार किया गया है।वहीं दूसरी तरफ तालकटोरा थाना क्षेत्र में चेक बाउंसिंग मामले में कोर्ट में पेशी पर नहीं जा रहे है नीलम गुप्ता पत्नी राजीव गुप्ता निवासी शाप नंबर 7 मोहनभोग चौराहा हालपता सी 4272 राजाजीपुरम थाना तालकटोरा,राजीव गुप्ता पुत्र परमेश्वर दिन गुप्ता निवासी सी 37 राजाजीपुरम ,नंदीश कुमार बाजपेई पुत्र स्व बीपी बाजपेई निवासी बी 374 राजाजीपुरम थाना तालकटोरा लखनऊ को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

अमेज कार ने राज्य सूचना आयुक्त की गाड़ी में मारी जोरदार टक्कर, गनर बुरी तरह घायल

खवार दृष्टिकोण आलमबाग।आशियाना थाना क्षेत्र के बंगला बाजार में गुरूवार सुबह राज्य सूचना आयुक्त की गाड़ी में अमेज कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे आगे बैठे गनर को गंभीर चोटें आयी। वहीं सूचना आयुक्त के चालक की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुटी है। किरन बाला चौधरी वर्तमान समय में राज्य सूचना आयुक्त हैं और उनका रेल नगर कालोनी बंगला बाजार में आवास है। रोजाना की तरह वह अपने चालक जितेन्द्र कश्यप और गनर सुनील कुमार के साथ गुरूवार सुबह उत्तर प्रदेश सूचना आयोग गोमती नगर के लिए निकली थी। चालक जितेन्द्र का कहना है कि जैसे ही चन्द्रिका देवी मंदिर वाली गली के पास वह गाड़ी लेकर पहुंचा तभी अनियंत्रित रफ्तार में आ रही होंडा अमेज कार ने उनकी गाड़ी के बायें हिस्से में टक्कर मार दी। टक्कर आगे की तरफ लगी इसलिए चालक के बगल में बायीं तरफ बैठा गनर सुनील काफी जख्मी हो गये। तुरंत राहगीरों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया और चालक ने आशियाना थाने जाकर मुकदमा दर्ज कराया।

गन्ना मूल्य का त्वरित भुगतान सुनिश्चित कराने हेतु भी अधिकारियों को बैठक में दिये गये निर्देश

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री, लक्ष्मी नारायण चौधरी की अध्यक्षता में लाल बहादुर शास्त्री, गन्ना किसान संस्थान के सभागार में समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा बैठक में गन्ना विकास राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार एवं प्रमुख सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग वीना कुमारी के साथ गन्ना आयुक्त प्रभु एन. सिंह भी उपस्थित रहे। गन्ना विकास मंत्री द्वारा समीक्षा बैठक के दौरान जिला योजना के अन्तर्गत वर्ष 2023–24 में वित्तीय लक्ष्य एवं पूर्ति, महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन, सीडलिंग उत्पादन वितरण, लम्बित गन्ना मूल्य भुगतान की स्थिति, नई खाण्डसारी इकाईयों की स्थापना एवं संचालन, वर्ष 2023–24 में प्राप्त बजट के व्यय की स्थिति एवं गन्ना सर्वेक्षण तथा गन्ना मूल्य भुगतान आदि बिन्दुओं पर समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

समीक्षा बैठक में मंत्री द्वारा बैठक में प्रतिभाग करने वाले विभिन्न संवर्गो के अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि जिला योजना के अन्तर्गत भौतिक लक्ष्यों के साथ–साथ वित्तीय लक्ष्य पूर्ति भी समय से होनी चाहिए। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं सीडलिंग उत्पादन तथा वितरण के संबंध में भी विभागीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि लाइसेन्स प्राप्त बन्द खाण्डसारी इकाइयों का शीघ्र संचालन शुरू कराया जाये। उन्होंने शासकीय बजट के व्यय एवं सदुपयोग करने हेतु भी निर्देश दिये। गन्ना मंत्री द्वारा अवैध गन्ना खरीद एवं घटतौली पर अंकुश लगाने के निर्देश भी दिये गये। समीक्षा बैठक के दौरान गन्ना राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों की सूची क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध करायी जाये, जिससे सरकार द्वारा कराये जा रहे कार्यो का प्रचार–प्रसार हो सके। उन्होंने अधिकारियों को अपने कार्य क्षेत्र के संबंध में सूचनाओं से अद्यतन रहने हेतु भी निर्देशित किया।बैठक में विभाग की प्रमुख सचिव, वीना कुमारी द्वारा गन्ना मूल्य का त्वरित भुगतान करने के साथ–साथ गन्ना किसानों की समस्याओं का शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापरक निस्तारण करने हेतु भी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। आयुक्त, गन्ना एवं चीनी प्रभु एन. सिंह द्वारा भी समीक्षा बैठक में महत्वपूर्ण विभागीय बिन्दुओं पर अधिकारियों को निर्देश दिये गये। प्रबन्ध निदेशक, सहकारी चीनी मिल संघ द्वारा सहकारी एवं निगम क्षेत्र की चीनी मिलों में गन्ना मूल्य भुगतान की वर्तमान स्थिति, चीनी मिलों के संचालन, चीनी मिलों की कार्यप्रणाली, चीनी एवं शीरा स्टाक की स्थिति, आसवनियों के परिचालन की स्थिति आदि विषयों पर गन्ना मंत्री के समक्ष समीक्षात्मक प्रस्तुतिकरण भी दिया। समीक्षा बैठक में विशेष सचिव, उ.प्र. शासन एवं अपर चीनी आयुक्त राहुल पाण्डेय, अपर गन्ना आयुक्त (प्रशासन) प्रणय सिंह, विशेष सचिव, उ.प्र. शासन शेष नाथ सिंह एवं मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों में अपर गन्ना आयुक्त वी.के. शुक्ल, डॉ. वी.बी. सिंह, संयुक्त गन्ना आयुक्त श्री विश्वेश कनौजिया एवं श्री अमर सिंह उपस्थित रहे।

खबर एक नजर में

फैक्ट्री के बाहर खड़ा छोटा हाथी चोरी

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। आलमबाग थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री के बाहर खड़ा फैक्ट्री संचालक का छोटा हाथी चोरी हो गया। जानकारी होने पर संचालक ने कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दे स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। राजाजीपुरम ई-3427 में रहने वाले राजेश बाजपेई पुत्र स्व उमाशंकर बाजपेई का ताल कटोरा इंडस्ट्रियल एरिया आलमबाग में डीपीएम इंजीनियरिंग वर्क्स के नाम से कारखाना संचालित है। कारखाना संचालक के मुताबिक उनका छोटा हाथी जोकि कारखाने के बाहर खड़ा था गुरुवार सुबह कारखाने के गेट के पास से गायब हो गया जिसकी जानकारी उन्हें गाड़ी का चालक सतीश कुमार ने दिया। जिसपर उन्होंने सुरक्षा गार्ड से पूछा तो बताया कि गाड़ी सुबह 6रू30 बजे तक मौजूद था। गाड़ी का कोई पता न चलने पर कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दे पीड़ित ने स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मकान में चोरी करने के बाद भागने की फिराक में था चोर, पीड़ित ने पकड़ा, किया पुलिस के सुपुर्द

पकड़े गए बदमाश के पास से बरामद हुआ चोरी का सामान

खबर दृष्टिकोण आलमबाग।आशियाना थाने के रुचीखंड में निर्माणाधीन मकान के अंदर लोग सो रहे थे, इसी बीच एक चोर मकान में कूदा और नकदी व कीमती सामान लेकर फरार हो गया। सुबह उठने पर पीड़ित परिवार को मोहल्ले में घूमने वाले एक व्यक्ति पर शक हुआ तो पीड़ित परिवार ने उसे एक सुनसान जगह पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। कमलकांत बीटेक करने के बाद नौकरी की तैयारी में जुटे हैं और अपने छोटे भाइयों के साथ रुचीखंड में रहते हैं। कमलकांत के मुताबिक किसी परिजन की तबीयत खराब होने की वजह से बुधवार रात पूरा परिवार रात भर जगा हुआ था और गुरुवार भोर जब उस परिजन को आराम मिला तो सब लोग सो गये। उनका कहना है कि दूसरी मंजिल का निर्माण कार्य चल रहा है इसलिए पीछे की छत खुली हुई थी। इसी का फायदा उठाकर चोर अंदर घुसा और तीन मोबाइल, पर्स जिसमें 5 हजार रुपये व कुछ जरूरी कागजात थे और एक जाल उठा ले गया। उन्हे मोहल्ले में ही दिखने वाले एक संदिग्ध पर शक था तो सुबह उठने के बाद उन्होंने एक सूनसान जगह जाकर उसे पकड़ लिया। उन्होंने पुलिस को सूचना देकर उसे पुलिस को सौंप दिया, पूछताछ के दौरान चोर के पास से तीनों मोबाइल, पर्स और जाल बरामद किया गया और उससे पूछताछ चल रही है।

डीसीएम की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत पर पिता ने चालक के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व हुए सड़क हादसे में डीसीएम की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत पर स्थानीय पुलिस ने पिता की शिकायत पर डीसीएम चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मूलरूप से सोहामऊ जनपद उन्नाव निवासी मृतक के पिता कन्हैयालाल के मुताबिक उनका बेटा पंकज कुमार गौतम द्ध26ऋ बीते 5 जुलाई की शाम नई स्कूटी से लखनऊ से घर लौट रहा था इसी बीच कटिबगिया से हौनी की तरफ जा रही तेज रफ्तार डीसीएम एनएल 01 क्यु 0619 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक गाड़ी चलाते हुए स्कूटी पर टक्कर मार दी थी जिससे उनके बेटे का मौत हो गया था। पुलिस ने पिता की शिकायत पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है।

लूट की घटना को अंजाम दे भाग रहा मोबाईल स्नैचर को पकड़ किया पुलिस के हवाले

खबर दृष्टिकोण सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के शहीद पथ निकट बस का इन्तजार कर रहे युवक से बाइक सवार स्नैचर मोबाईल फोन लूट की घटना को अंजाम दे भागने लगा। युवक के शोर मचाने पर बाइकसवार लुटेरा बरसात के कारण अनियंत्रित हो लड़खड़ाकर गिर पड़ा जिसे पकड़ पुलिस के सुपुर्द किया गया है। पुलिस ने लूट व बरामदगी की धारा में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। मूलरूप से अकबर पुर कानपुर देहात निवासी अमन यादव पुत्र अरविन्द यादव गुरुवार शाम अपनी बहन के घर गोसाईगंज जा रहे थे। शहीद पथ के पास बस से उतर गोसाईगंज जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे इसी दौरान ट्रांसपोर्ट नगर से दो बाइकसवार युवको ने उनका मोबाईल फोन छीन भागने लगा जिसका युवक ने शोर मचाते हुए पीछा किया इतने में बरसात के कारण बाइक सवार लुटेरा अनियंत्रित हो लड़खड़ाकर गिर पड़ा जिसे युवक ने पकड़ लिया और गस्त पर निकली पुलिस के सुपुर्द कर सरोजनीनगर थाने पर लिखित शिकायत की है। पुलिस ने लुटेरे के खिलाफ लूट व बरामदगी की धारा में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

मेडिकल स्टोर संचालक का दुकान से मोबाईल फोन चोरी

खबर दृष्टिकोण सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के एलडीए कॉलोनी के पराग रोड पर स्थित मेडिकल स्टोर की दुकान से दुकानदार का चोरो ने मोबाईल फोन चोरी कर लिया जिसकी करतूत सीसी कैमरे में कैद हो गई है। एलडीए कश्वलोनी सेक्टर एफ में रहने वाले रजन शर्मा का पराग रोड पर देव मेडिकल के नाम से दवा की दुकान है। दुकानमालिक के मुताबिक बीते 5 जुलाई की शाम उनके दुकान के काउंटर से उनका मोबाईल फोन चोरी हो गया। दुकान में लगे सीसी कैमरे में देखा तो चोर की करतूत उजागर हुई। जिसपर उन्होंने स्थानीय थाना सरोजनीनगर पहुंचकर अज्ञात चोर के खिलाफ लिखित शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर फुटेज आधार पर चोर की तलाश में जुटी है।

दबंगो ने रूपये की मांग पूरी न होने पर डाला चालक पर किया जानलेवा हमला

बीचबचाव करने आये मालिक को भी पीटा

खबर दृष्टिकोण सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों द्वारा अँधेरे का लाभ उठाकर लोगो से लूटपाट करने वाले युवको ने गुरुवार रात एक डाला चालक को ओवरटेक रास्ता रोक जानलेवा हमला कर दिया बीच बचाव करने आये डाला मालिक को भी मारपीट कर फरार हो गए जिसकी शिकायत कंट्रोल नंबर पर पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल भेज डाला मालिक की शिकायत पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर हमलावरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बंथरा के ग्राम खुरमंपुर निवासी रितेश सिंह पुत्र शिव भवन सिंह के मुताबिक वह गुरुवार रात करीब 12:30 बजे बाग से पिकअप में आम लोड कर पिपरसंड से दुबग्गा मंडी जा रहे थे वह अपने मारुती वैन से आगे चल रहे थे और पिकअप पीछे था इसी बीच हुलीखेड़ा सिंह देवी मंदिर से आगे पल्सर बाइक पर सवार तीन युवक उनके पिकअप गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया और ड्राइवर को बाहर निकाल पचास हजार रूपये की मांग करने लगे और लोहे की रड से बेरहमी से पिटाई करने लगे। चालक को पीटता देख मालिक वैन से उतर बीच बचाव करने लगे तो उन पर हमला कर दिया जिससे उनके बांये हाथ में गंभीर चोटे आई है और चालक बुरी तरह से जख्मी हो सड़क पर गिर तड़पने लगा जिसकी सूचना उन्होंने कंट्रोल नंबर पर पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल भेज मालिक की शिकायत पर हमलावरों के खिलाफ जानलेवा हमला तोड़फोड़ गाली गलौज धमकी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी हमलावरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चारबाग जीआरपी पुलिस टीम द्वारा तीन शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी के चार मोबाईल व नगदी बरामद

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ चारबाग जीआरपी पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को स्टेशन परिक्षेत्र से तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार किया है। शातिरों के कब्जे से टीम ने चोरी के चार मोबाईल फोन बरामद किया है। पुलिस ने शातिरों के खिलाफ कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया है। चारबाग जीआरपी प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि जीआरपी टीम द्वारा शुक्रवार रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म संख्या 6-7 के मंदिर के पास से तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से चोरी का चार मोबाईल फोन व 14 सौ रूपये नगद बरामद हुआ है। गिरफ्त में आये शातिर पेशेवर चोर है जो स्टेशन व ट्रेनों में सफर के दौरान यात्रियों के कीमती सामान मोबाईल फोन चोरी कर फरार हो जाते थे। पूछताछ में शातिरों ने अपना परिचय सद्दीक पुत्र शब्बीर निवासी ग्राम कलारी थाना इज्जतनगर जनपद बरेली , राजू उर्फ बबलू श्रीवास्तव पुत्र जयन्ती प्रसाद नि0 चौकसी थाना कोतवाली शाहजहांपुर व हसन मंसूरी पुत्र वसीम मंसूरी नि0 कोटवा वैराकाजी थाना कैसरगंज जनपद बहराइच के रूप में दिया है। शातिरों का आपराधिक इतिहास भी है पूर्व में भी कई बार जेल जा चुके है। शातिरों के खिलाफ चोरी व बरामदगी की धाराओं में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है।

ए बाबू जरा संभल के चलो, बड़े धोखे है इन राहो

बरसात से धंसती सड़के,हादसों के बावजूद भी जिम्मेदार बेपरवाह, बारिश ने खोल दी भ्रष्टाचार की पोल

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। राजधानी लखनऊ में दो दिन की बरसात ने भ्रष्टाचारी का पोल खोल दिया है कि आवागमन के लिए बनाई गई मार्गो ने थोड़े से ही पानी में जर्जर हो गई और धसना शुरू कर दिया आलम यह हो गया कि आम नागरिको को काफी बचते हुए इन मार्गो से गुजरना पड़ रहा है और जिम्मेदार दो दिन लगातार हुए हादसों के बावजूद भी बेपरवाह बने हुए है। दो दिन पूर्व ही बरसात के कारण बलरामपुर अस्पताल के पास सड़क धसने से एक कार धंस गई थी जिसे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर भाजपा सरकार में किये गए कार्य की पोल खोली थी इस हादसे के अगले ही दिन नगर निगम जोन आठ के आशियाना कालोनी स्मृति चौराहे के पास जल कल विभाग एवं पीडब्लूडी विभाग के लापरवाही का खामियाजा एक मोटरसाइकिल सवार युवक को भुगतना पड़ा और वह मोटरसाइकिल समेत छः फिट निचे गड्ढे में गिर कर चोटिल हो गया था और उसकी बाइक भी मिटटी में धंस गई थी जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। इन हादसों के बाद भी बेपरवाह विभाग नहीं चेत रहे है और बड़े हादसे का इंतजार कर रहे है। नगर निगम जोन आठ व जोन पांच के मार्गो गलियों का काफी बुरा हाल बना हुआ है एक ओर जहाँ जलनिकासी की कोई व्यवस्था नहीं वहीं दूसरी ओर थोड़े ही पानी में सड़क एवं गलियों में बिछे टाइल्स का धसना ठेकेदारों एवं विभागों के भ्रष्टाचार की पूरी तरह से पोल खोल रहा है। ऐसे में एक दौर का यह गाना लखनऊ के निवासियों पर यही सटीक बैठता है कि – ए बाबू जरा संभल के चलो, बड़े धोखे है इन राहो। रास्तो पर चले मगर ध्यान से आप अपनी सुरक्षा स्वयं करे और सारे टैक्स समय से जमा करे। नगर निगम जोन पांच ओम नगर शिला नर्सिंग होम वाली गली नगर निगम जोन पांच आजाद नगर तिराहा।

युवक की संदिग्ध मौत की खबर को संज्ञान में लेकर एसडीएम व ए सीएमओ ने की जांच

पैथोलॉजी व मेडिकल स्टोरो की अगर हो जाए जांच तो हो सकता है बड़ा खुलासा

नगर में सीएचसी के करीब पैथोलॉजी लैब व मेडिकल स्टोर हो रहे संचालित जिनमे सक्रिय एजेंट लगाते हैं अस्पतालों के चक्कर और भारी कमीशन देकर डॉक्टरों से लिखवाते है जांचे यहां तक कि रोक के बाबजूद भी सरकारी अस्पतालो में पहुंच कर जांच का सैमपुल लेते हैं पैथोलॉजी वाले। अगर किसी सक्षम अधिकारी के द्वारा इन पैथोलॉजी के संचालकों की डिप्लोमा जांच की जाए तो हो सकता है बड़ा खुलासा। पैथोलॉजी संचालक जांच के बदले कर रहे जनता से मनमानी वसूली इसी तरह मेडिकल स्टोरों में नकली दवाइया और मनमाने तरीके से पैसे लेकर मरीजों को जेब पर डाल रहे डाका। संबंधित अधिकारी जानबूझकर दे रहे हैं खुली छूट नहीं करते रूटीन जांच। जिसके चलते इन लोगों के हौसले हैं बुलंद ।

संवाददाता खबर दृष्टिकोण कालपी जालौन छै जुलाई को सीएचसी में तैनात डाक्टर की लापरवाही से हुई युवा की मौत की खबर अखबारों मे छपने के बाद एसडीएम व ए सीएमओ 7जुलाई को जांच के लिये सीएचसी कालपी पहुंचे और बन्द कमरे में जांच कर एस पैथलौजी पहुंचे वहां भी जांच की !घटनाकृम के अनुशार पांच जुलाई को दोपहर 11.30 बजे के लगभग सीएचसी कालपी में आए मरीज को कमरा नम्बर 13 में बैठे डाक्टर ने देखा और हर मरीज की तरह पर्चे में जांच लिखकर यश पैथालाजी भेज दिया ! जहां मरीज का ब्लड लिया पैसे लिए और अगले दिन आने को कह दिया! पर मरीज की गम्भीर बीमारी को न डाक्टर ने समझा न पैथलाजी संचालक ने ! और अगले दिन 6 जुलाई को मरीज के पिता के पास फोन आया कि मरीज को लेकर पैथलौजी आइए पिता अपने जवान बेटे को पीठ पर लादकर पैथलौजी जा रहा था तभी रास्ते में उस मरीज की मौत हो गई! इधर डाक्टर ने बताया कि मैने रिफर कर दिया था जब रिफर कर दिया तो जांच के लिए क्यों भेजा वहीं अगर पर्चे मे रिफर लिखा था तो पैथलौजी वाले ने क्यों जांच कर दूसरे दिन रिपोर्ट दुबारा करने की बात क्यों कही और दूसरे दिन भी मरीज को क्यों बुलाया जांच रिपोर्ट उसके पिता को देने के बाद–

!यहां यह भी बताते चलें कि डाक्टर द्वार मृतक की मृत्यु स्लिप भी नहीं दी ओर पीएम नहीं कराया गया और मृतक को जल्दी जल्दी सरकारी ऐम्बूलेंस में लादकर उसके गावं भेज दिया जबकि लाश को एम्बूलैंस से नहीं भेजा जाना चाहिए!मामला गम्भीर है इसकी जांच मे लीपापोती नहीं होनी चाहिये और एक गरीब को न्याय मिलना चाहिए तथा दोषियों को सजा होनी ही चाहिए! उक्त मामले की जांच करने के बाद जब मीडिया कर्मियों ने एसडीएम कालपी के के सिंह से पूछा कि जांच में क्या पाया तो एस डीएम ने कुछ भी बताने से इन्कार कर दिया और कहा अभी जांच चल रही है अभी कुछ नहीं कह सकते !

वन महोत्सव सप्ताह के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय में वृहत वृक्षारोपण अभियान

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूमि एवं उद्यान विभाग एवं 63 यूपी बीएन नेशनल कैडेट कोर एनसीसी ने साथ मिलकर वन महोत्सव सप्ताह के दौरान वृहत वृक्षारोपण अभियान चलाया। वृक्षारोपण कार्यक्रम का माननीय कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय ने शिक्षकों छात्रों व विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ शुभारंभ किया। कार्यक्रम में माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 पूनम टंडन, प्रो0 एस0एन0 पांडेय अधीक्षक भूमि एवं उद्यान विभाग, मेजर डॉ0 किरण डंगवाल एवं डॉ0 अलका मिश्रा, खगोल विज्ञान विभाग ने टैगोर लान में वृक्षारोपण का समन्वय किया विशिष्ट उपस्थित लोगों में कर्नल हर्ष कुमार झा, प्रो0 पूनम टंडन, डॉ0 रजनीश यादव, डॉ0 ओ0पी0 शुक्ला, डॉ0 महेंद्र अग्निहोत्री कर्मचारी व छात्र वृक्षारोपण कार्यक्रम में परिसर में हरित वातावरण एवं जैव विविधता को बढ़ाने हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का हिस्सा बने। भूमि एवं उद्यान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय ने पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैंद्य सजावटी पौधे (जैसे गुड़हल, गुलाब, बेला, गोल्डन चंपा,इकजोरा आदि), फलदार (जैसे अमरूद,आम) एवं औषधीय पौधे (जैसे तुलसी,एलोवेरा,लेमन ग्रास,गिलोय,अश्वगंधा,सदाबहार आदि) पौधों का रोपण कार्य किया गयाद्य 63 यूपी बीएन एनसीसी कैडेट शिक्षक छात्र व कर्मचारियों को औषधीय गुणों वाले पौधों का वितरण भी किया गया। सभी ने अपनी भागीदारी उत्साह पूर्वक किया । इस पूरे जुलाई माह में विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में अनेक तरह के टिंबर,फलदार, सजावटी व औषधीय लगभग 11000 पौधों का रोपण किया जाएगा। इसके तहत एक औषधि उद्यान भी विकसित किया जा रहा है। अलग–अलग पार्कों में विशिष्ट पौधों को सुनियोजित ढंग से लगाया जाएगा और उनकी देखरेख एवं सुरक्षा भूमि एवं उद्यान विभाग की टीम करेगी। पूरे विश्व विद्यालय परिसर को सुंदर स्वच्छ एवं हरा भरा बनाया एवं सजाया जाएग।

सई नदी में उतराती मिली हजारो की संख्या में मृत मछलियां

मोहनलालगंज। निगोहां इलाके से गुजरी सई नदी में शुक्रवार की सुबह हजारों की संख्या में मृत मछलियों उतराती देख सैकड़ो ग्रामीण जाल आदि लेकर नदी से मछली बटोरने पहुंच गये। मछलियां इतनी थी कि कुछ लोग तो डालों में भर भर कर ले जाने लगे इस पर जब ग्रामीणों से बात की गई तो ग्रामीणों ने बताया कि किसी ने केमिकल युक्त जहरीला पदार्थ नदी में डाल दिया है जिससे मछलियों की मौत हो गई थी।निगोहां इलाके के राती ,बेनीगंज, रंजीतखेड़ा ,जवाहरखेड़ा होते हुए भँवरेश्वर महादेव मंदिर होते हुए निकली सई नदी में शुक्रवार सुबह इस नदी में हजारों की संख्या में बड़ी बड़ी मछलियां उतराती देख सैकड़ो ग्रामीण कोई जाल लेकर तो कोई चादर लेकर नदी पहुंच गया और उतरा रही मछली बटोरने लगे। मछलियां इतनी थी कि कुछ लोग तो डालों में भर –भर कर ले जाने लगे इस पर जब ग्रामीणों से बात की गई तो ग्रामीणों ने बताया कि किसी ने केमिकल युक्त जहरीला पदार्थ नदी में डाल दिया है जिससे मछलियों की मौत हो गई।

अपनी माँ को फोन पर सूचना दे विवाहिता ने लगाई फांसी।

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। चिनहट थाना क्षेत्र में किराये के मकान में रह रही एक विवाहिता ने गुरुवार शाम फोन पर अपनी माँ को आत्महत्या की जानकारी दे कमरे में पंखे के सहारे साड़ी से फांसी का फंदा बना फांसी लगा आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मृतका का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मूलरूप से ग्राम जहानाबाद जनपद बाराबंकी निवासी आशीष कुमार गौतम अपनी ज्योति संग चिनहट के नौबस्ता में किराये के मकान में रहता था। गुरुवार शाम पति काम से घर के बाहर गए थे मृतका घर पर अकेली थी और शाम समय फोन पर अपनी माँ से बात करते हुए आत्महत्या कर लेने की बात कही और इस बात की जानकारी अपने पति को भी वीडियो काल कर दी जिसके बाद कमरे में पंखे से साड़ी के सहारे फांसी का फंदा बना फांसी लगा लीद्य वहीं जानकारी पर परिजनों ने कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सुचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जनपद बाराबंकी निवासी मृतका के पिता राजकुमार के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2022 में अपनी पुत्री का विवाह किया था। उनको अपने दामाद व पुत्री के ससुरालीजनो से कोई शिकायत नहीं है।

दबंग ने चाकू से हमला कर सगे भाई–बहन को किया घायल

पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के विरूद्व मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के गोपालखेड़ा गांव निवासी रामू ने बताया बीते गुरूवार की रात आठ बजे के करीब पड़ोसी अभिषेक किसी बात पर अपनी बहन की बेरहमी से पिटाई कर रहा था तो खुद को छुड़ाकर अपनी जान बचाने को उसकी बहन मेरे घर में घुस आयी ओर कमरे का दरवाजा बंद कर अंदर बैठ गयी,जिसके बाद उसका भाई अभिषेक चाकू लेकर घर के अंदर घुस आया,इस दौरान घर में मौजूद मेरी छोटी बहन कचंन ने उसकी बहन को बचाने का प्रयास किया तो आरोपी अभिषेक ने मेरी छोटी बहन कंचन को फर्श पर गिराकर पिटाई कर गला दबाते हुये जान से मारने की नियत से उसके गले पर चाकू रख दिया.बहन की चीख–पुकार सुनकर जब वो बचाने दौड़ा ओर आरोपी से छुड़ाने लगा तो चाकू से उसके पेट पर हमला कर बुरी तरह लहूलूहान कर घायल कर दिया।जिसके बाद परिजन घायल रामू को आनन–फानन इलाज के लिये सीएचसी लेकर गये,जहां डाक्टर ने उसकी हालत गम्भीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।जहां भर्ती कर उसका इलाज जारी हैं।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित रामू की तहरीर पर आरोपी अभिषेक के विरूद्व घर में घुसकर मारपीट समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी हैं।

जमीन की फर्जी रजिस्ट्री करने वाले पांच जालसाजो पर मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज। रोहतास प्रोजेक्टस लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि मनोज कुमार श्रीवास्तव निवासी विभूतिखंड थाना गोमतीनगर लखनऊ ने डीसीपी दक्षिणी से शिकायत करते हुये बताया उनकी कम्पनी द्वारा कासिमपुर बिरूहा गांव में क्रय की गयी जमीन को जालसाज राकेश गर्ग,उमांशकर व क्रेता राजू व गवाह पवन व श्याम बाबू शुक्ला ने पूर्ण स्वामी बताकर फर्जी रजिस्ट्री कर दी थी।पूरे मामले में जांच के बाद डीसीपी ने मोहनलालगंज पुलिस को मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के निर्देश दिये थे।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित की तहरीर पर पांच आरोपियों के विरूद्व धोखाधड़ी, जालसाजी समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

खबर एक नजर में

अभियुक्त को गिरफ्तार करने गई पुलिस द्वारा दौड़ाते समय नाली में गिरा अभियुक्त मौत

बाराबकी दृषटिकोण संवाददाता गंगाचरन

त्रिवेदीगंज बाराबंकी हत्या के मामले मे फरार चल रहे कस्बा निवासी वांछित अभियुक्त की गैरजनपद मे पुलिस गिरफ्तारी के दौरान मौत हो गयी।घटना के बाद पुलिस महकमे मे हडकम्प मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित कई थानों की फोर्स घटनास्थल पर पहुंच गई। मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बाद में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियोंने परिजनों को समझा–बुझाकर शव का अंतिम संस्कार करा दिया।दिया। मिली जानकारी व पुलिस के मुताबिक बीते 24 अप्रैल को महुआ तर हवेली वार्ड नगर पंचायत सुबेहा में दो पक्षो मे दूसरे के दरवाजे पर गाए जाने को लेकर मरपीट हो गयी थी। जिसमें इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो जाने के बाद पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया था । अन्य अभियुक्त मे मृतक राजेश पुत्र दयाराम भी मुकदमा में वांछित था। इस मामले में अब तक 1 दर्जन लोगों को गिरफ्तारी की जा चुकी है जबकि मृतक करीब ढाई महीने से फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी , बताया जाता है की पुलिस को सूचना मिली की उक्त अभियुक्त गैर जनपद अमेठी के थाना कमरौली के पलिया पश्चिम गांव मे अपनी ससुराल मे रह रहा है ।सूचना के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार करने के लिए सुबेहा पुलिस दबिश देने गयी हुई थी तभी पुलिस को देखकर अभियुक्त राजेश ने भागने का प्रयास किया पुलिस टीम ने दौड़ा कर उसको पकड़ना चाहा तभी अचानक वह एक नाली में गिर कर गंभीर रूप से चोटिल हो गया। पुलिस घायल अभियुक्त को रिश्तेदारों के साथ लेकर सी एच सी जगदीशपुर पहुंची जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे चिकित्सीय परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया

डंपर की चपेट में आने से एक जीएसटी एकाउंटेंट की दर्दनाक मौत

बाराबंकी खबर दृषटिकोण संवाददाता गंगाचरन

त्रिवेदीगंज बाराबंकी। कोतवाली हैदरगढ़ अंतर्गत हैदरगढ़ भिटरिया मार्ग पर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के दौलतपुर टोल प्लाजा पर गुरुवार की शाम हुई सड़क दुर्घटना में कस्बा निवासी एक 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार कस्बा हैदरगढ़ के ठठराही वार्ड निवासी 55 वर्षीय पंकज खेतान उर्फ डब्बू अपनी होंडा एक्टिवा स्कूटी से शाम 5रू00 बजे के लगभग भिटरिया की ओर जा रहे थे तभी बाराबंकी से आकर लखनऊ की तरफ मुड़ रहा तेज रफ्तार डंपर उनके सिर को कुचलते हुए निकल गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सड़क दुर्घटना की जानकारी मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी रवि शर्मा आशुतोष झुनझुनवाला पंकज अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कस्बे के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और मृतक की पहचान की। मृतक नवीन उप मंडी स्थल में मंडी शुल्क और जीएसटी के लिए अकाउंटेंट का काम करता था। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है पंचनामा व पोस्टमार्टम के लिए वैधानिक लिखा पढ़ी की जा रही है । दुर्घटना करने वाले वाहन को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

सिसेंडी में गड्ढो में तब्दील सड़क बनी तालाब,राहगीर गिरकर हो रहे चोटिल

ग्रामीणो का आरोप जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासन से गुहार के बाद भी नही बन सकी सालो से जर्जर सड़क

मोहनलालगंज।सिसेंडी कस्बे में तीन दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ने वाली सड़क जर्जर होकर बड़े–बड़े गड्ढो में तब्दील हो गयी ओर बारिश के चलते गड्ढो में पानी भरने के चलते सड़क से गुजरने वाले बाइक व साइकिल सवार गिरकर चोटिल हो रहे है।।इस सड़क के निर्माण के लिये कस्बे समेत आस–पास गांवो के लोग स्थानीय सांसद से लेकर विधायक तक गुहार लगाकर थक चुके है।वही सम्पूर्ण समाधान दिवस समेत विभागीय अफसरो से भी शिकायत बेकार चली गयी।सालो से जर्जर सड़क का निर्माण ना होने से स्थानीय लोगो में आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणो ने बताया सिसेंडी पुलिस चौकी के पीछे से कस्बा होते हुये मदाखेड़ा भीलमपुर,भरोसवा डेबरिया, मदाखेड़ा सहित तीन दर्जन गांवों को जोड़ने वाली सड़क काफी दिनो से जर्जर है ओर बड़े–बड़े गड्ढो में तब्दील हो चुकी है,वही बारिश का पानी गड्ढो में भरने से जर्जर सड़क तालाब बन गयी हैं।इसी सड़क से बैंक पोस्ट ऑफिस,सहित मिनी सचिवालय पर दिन भर लोगो का आना जाना रहता है।जिसमे आये दिन इस सड़क पर बाइक और साइकिल सवार गिरकर चोटिल हो रहे है।लेकिन लापरवाह बने जनप्रतिनिधियों से लेकर स्थानीय प्रशासन से गुहार के बाद भी अब तक जर्जर सड़क का पुनः निर्माण नही हो सका है।

बुजुर्गों के प्रति शिथिल होती मानवीय संवेदनाएँ!

सोनम लववंशी

पिछले कुछ दशकों में हमारे सामाजिक मूल्यों में काफी बदलाव आ गया है, तभी सरकार को साल 2007 में माता पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण कानून ही नहीं बनाना पड़ा। बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन के लिए न्यायपालिका को भी कड़े कदम उठाने पड़े। यह वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सम्बल तो दे रहा है। बावजूद इसके आए दिन देश के किसी न किसी कोने से माँ बाप पर अत्याचार की खबरें भी आ रही है।

वर्तमान दौर में मानवीय संवेदनाएं खत्म हो रही हैं। यह कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि आए दिन देश के किसी न किसी कोने से सामाजिकता तार-तार करने वाली खबरें मीडिया जगत की सुर्खियां बन रही है। अभी हाल ही में अलवर जिले में दो निर्दयी बेटों ने महज 4 बीघा के जमीन के लालच में अपनी ही जन्मदात्री माँ के हथौड़े से पैर तोड़ दिए। जबकि पिता को भी गम्भीर चोट पहुंचाई है। बच्चे अपनी माँ की जमीन को पहले भी फर्जी तरीके से अपने नाम करवा चुके है बाकी जमीन को भी अपने नाम कराना चाहते थे, जब माँ ने बेटो की बात नहीं मानी तो कलियुगी बेटे माँ के प्राण के ही प्यासे बन गए। ये हमारे समाज की कोई पहली और आखिरी घटना नहीं है। जब चन्द रुपए पैसे, जमीन जायजाद के लालच में बच्चे अपने ही माँ बाप के दुश्मन बन बैठे हो। इससे पहले भी भोपाल के कुटुंब न्यायालय में एक बुजुर्ग दम्पति को उसके अपने ही बेटे ने यह पूछने पर मजबूर कर दिया कि, क्या कुत्ता बाप से ज्यादा उपयोगी होता है? सोचिए कितना निर्दयी बेटा होगा जिसके लिए कुत्ता अपने पिता से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। एक पिता दिन रात मेहनत करके अपने बच्चों की परवरिश करता है। जब वही बच्चे अपने माँ बाप को घर से बेघर कर दें। फिर मानवीय संवेदना का पतन होना स्वभाविक है। ऐसे में हम अतीत के उच्च आदर्शों को भूलकर आधुनिक बन भी गए तो क्या मानव कहला सकेंगे?

इससे पहले भी मध्यप्रदेश के खण्डवा जिले में एक कलियुगी बेटे ने मानसिक रूप से कमजोर माँ की मोगरी से पीटकर हत्या कर दी थी। क्योंकि वह अपनी माँ से परेशान हो चुका था। ऐसे में इस कलयुगी बेटे की मृत माँ की आत्मा जहां कहीं भी होगी। सवाल तो बहुत उठे होंगे उसके जेहन में, कि आखिर इसलिए तो नौ माह पेट में नहीं रखा था? आखिर कसूर क्या था मेरा, जो मेरे साथ ऐसा सलूक किया? बेटा अपनी माँ के त्याग को कैसे भूल गया? जिस माँ ने खुद को कष्ट देकर अपने जिगर के टुकड़े का पालन-पोषण कर बड़ा बनाया। इसलिए तो नहीं कि वही बेटा उसी माँ के लिए काल बन जाएं। लेकिन वर्तमान दौर में ऐसी मानवीय संवेदनाओं का ह्रास हो चला हो। तभी तो किसी

गीतकार ने यह लिखा था कि पूत-कपूत सुनें हैं, पर ना माता सुनी कुमाता। जब भी इस गाने को लिखा गया होगा। लिखने वाले ने शायद वर्तमान स्थिति को भांपकर ही इसके बोल लिखें होगें। तभी तो वर्तमान दौर में जानवरों को पालना फैशन बन गया है जबकि माँ बाप वृद्धाश्रम की खाक छानने को मजबूर हो रहे हैं।

ऐसे में सवालों की फेहरिस्त लम्बी है। भारत की पुरातन संस्कृति और सभ्यता तो ऐसी कतई नहीं थी। फिर आज क्यों हमारा समाज और देश अपनी दिशा से भटक रहा है? हम शिक्षा के पैमाने पर अंकों के मामले में भले ही आगे बढ़ रहे हैं। पर अपने नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति कर्तव्यों को तिलांजलि क्यों दे रहे हैं? हमारा समाज अपने बुजुर्ग माता-पिता पर ही अत्याचार कर रहा। फिर ऐसे में कैसे उम्मीद लगाई जाए, कि वह किसी दूसरे की जान की परवाह करेगा। आज समाज आधुनिक होने का दम्भ तो भर रहा। पर शायद वह यह भूल गया है, कि सामाजिक व्यवस्था और घर-परिवार सिर्फ इन भौतिक वस्तुओं से नहीं चलते। हमें एक बेहतर समाज निर्माण के लिए बेहतर सोच रखनी होगी। तभी देश और समाज की बनी-बनाई व्यवस्था चल पाएगी। वरना सबकुछ जंगलराज में तब्दील हो जाएगा। हमारी संस्कृति में घर के बड़े-बुजुर्गों की बात का सम्मान करना सदियों की परंपरा और संस्कृति का हिस्सा रही है। फिर जिक्र चाहें श्रीराम का हो। जिन्होंने अपने पिता की बात का मान रखने के लिए वन जाने का निश्चय किया या फिर श्रवण कुमार का। जिन्होंने अपने माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा कराई हो। ये सच है कि आज के दौर में कोई भी व्यक्ति श्रवण कुमार कोई नहीं बन सकता। पर अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा तो की ही जा सकती है। लेकिन दुर्भाग्य देखिए आज के समाज का! लोग खूबसूरत पहनावे और भौतिक सुख-सुविधाओं से लैस होकर खुद को स्मार्ट समझने लगे है। लेकिन वास्तव में दिलों - दिमाग से उतने ही घिनौने और कंगाल होते जा रहे हैं। ऐसी आधुनिकता और शिक्षित समाज किस काम का जो अपने बुजुर्ग सदस्यों को अकेलेपन में जीवन बिताने के लिए आश्रम में छोड़ दे, अथवा अपने ही हाथों से उनकी जीवनलीला समाप्त कर दे।

ऐसे में सवाल तो बहुत है कि आखिर हमारे समाज को हुआ क्या है? क्यों आज समाज में एक ऐसा तबका हावी हो रहा, जो अपनों की ही जान लेने पर उतावला हो रहा है। वृद्धजनों के लिये बुनियादी सुविधाओं जैसे- भोजन, स्वास्थ्य, घर तथा अन्य आवश्यकताओं की अनुपलब्धता उनके मानवाधिकारों का हनन तो है ही। साथ में यह संविधान के अनुच्छेद-21, जो कि प्रत्येक मनुष्य को गरिमापूर्ण तथा स्वतंत्र जीवन जीने का अधिकार देता है, उसके साथ भी खिलवाड़ है और ऐसा खिलवाड़ अगर अपने ही कर रहे। ऐसे में समझ सकते हमारा समाज अंदर से कितना खोखला होता जा रहा।

वैसे पिछले कुछ दशकों में हमारे सामाजिक मूल्यों में काफी बदलाव आ गया है, तभी सरकार को साल 2007 में माता पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण कानून ही नहीं बनाना पड़ा। बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन के लिए न्यायपालिका को भी कड़े कदम उठाने पड़े। यह वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सम्बल तो दे रहा है। बावजूद इसके आए दिन देश के किसी न किसी कोने से माँ बाप पर अत्याचार की खबरें भी आ रही है। इसके लिए सिर्फ सरकार ही नहीं परिवार को भी अपने बुजुर्ग माता पिता की जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देना होगा। तभी हमारा वर्तमान और भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। वरना जिस तरह से हम अपने माँ बाप को घर से बेघर कर रहे है। कल हमारा भी बुढ़ापा आएगा और हमारे बच्चे भी वही सब देखेंगे और सीखेंगे जो हम आज अपने माता-पिता के साथ कर रहे है।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

संपादकीय

बिन गुरु शिक्षा

किसी भी राज्य की शिक्षा व्यवस्था की आधारभूमि शिक्षक ही तैयार करते हैं। यदि शिक्षक ही पर्याप्त न होंगे तो शिक्षा के स्तर और नौनिहालों के भविष्य का अनुमान लगाना कठिन नहीं है। यह खबर चौंकाती है कि प्रगतिशील हरियाणा के स्कूलों में शिक्षकों के बीस फीसदी पद खाली हैं। निस्संदेह, यह आंकड़ा स्कूली शिक्षा की निराशाजनक स्थिति को दर्शाता है। किसी राज्य में यदि शिक्षकों के 5192 पद खाली हों तो स्थिति को बेहद चिंताजनक ही कहा जाना चाहिए। जो बताती है कि राज्य में नीति-नियंताओं की प्राथमिकताओं में शिक्षा कहां खड़ी है। बच्चे कल का भविष्य हैं, यदि उनकी बुनियाद ही खोखली रह जाएगी तो वे कैसे राष्ट्र का दायित्व कंधों पर उठा पाने में सक्षम होंगे। विडंबना यह भी है कि आमतौर पर सरकारी स्कूलों में कम आय वर्ग के लोगों के बच्चे परिस्थितिवश भेज जाते हैं। वहीं दूसरी ओर निजी स्कूल जिस तरह कारोबार का जरिया बन चुके हैं, उसके मद्देनजर कम आय वर्ग के अभिभावक प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को भेजने से कतराते हैं। दरअसल, आज जो निजी स्कूलों का कारोबार फल-फूल रहा है उसके मूल में सरकारी स्कूलों की दशा-दिशा ही है। कुछ लोगों को लगता है कि ये स्कूल बीमार भविष्य का कारखाना बनने की दिशा में अग्रसर हैं। दरअसल, शिक्षकों की कमी से वे स्कूल जूझ रहे हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। यह भी विडंबना है कि येन-केन-प्रकारेण नौकरी हासिल करने वाले शिक्षकों की हर संभव कोशिश होती है कि उन्हें आराम की जगह में नियुक्ति मिल जाये। दरअसल, नियुक्तियां तो ग्रामीण स्कूलों के लिये होती हैं, लेकिन शिक्षक किसी न किसी तरह तबादला शहरी स्कूलों में करवा लेते हैं। बहरहाल, तंत्र को इस गंभीर होती समस्या की ओर ध्यान देना चाहिए। विद्यार्थियों के भविष्य के प्रति संवेदनशीलता दर्शाते हुए शिक्षकों की नियुक्ति को प्राथमिकता बनाना चाहिए। दरअसल, नीति नियंताओं को समझना चाहिए कि शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर कुतर्कवाद का सहारा नहीं लिया जा सकता। स्थायी शिक्षकों की जरूरत को न तो अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से पूरा किया जा सकता है और न ही अनुबंध पर की गई शिक्षकों की नियुक्ति से। सत्ताधीशों को इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि राज्य के सबसे पिछड़े जनपद नूंह में क्यों शिक्षकों के 4353 पद खाली हैं। जाहिर जब स्कूलों में शिक्षक नहीं होंगे तो बच्चे ठीक से पढ़ नहीं पाएंगे। स्कूल नहीं जाएंगे तो जाहिर है परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक नहीं बन पाएंगे। शिक्षा एक व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करती है। पढ़े-लिखे व्यक्ति की सोच व जीवनशैली में अनपढ़ व्यक्ति के मुकाबले खासा गुणात्मक बदलाव होता है। ऐसे वक्त में जब देश के विभिन्न राज्यों में तमाम तरह के लोकलुभावन अभियान चलाये जा रहे हैं, राज्य सरकार को भी बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति का अभियान चलाना चाहिए। इससे जहां एक ओर सरकारी स्कूलों के बच्चों के भविष्य को संवारा जा सकेगा, वहीं तमाम पढ़े-लिखे बेरोजगारों की हताशा दूर होगी। वह भी तब जब राज्य में बेरोजगारी की दर काफी ऊंची बतायी जाती है। शिक्षकों की भर्ती का अभियान चलाकर राज्य सरकार राजनीतिक लाभ भी ले सकती है और छात्रों व बेरोजगारों का भविष्य भी संवार सकती है। इसके अलावा भी सरकारी स्कूलों की पढ़ाई में आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत है। जिससे छात्र-छात्राएं मौजूदा समय के साथ कदमताल कर सकें। उन्हें कार्य कौशल विषयक शिक्षा मिले। साथ ही नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को भी हासिल करने के लिये पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति अपरिहार्य ही है। सत्ताधीश इस तथ्य को स्वीकारें कि शिक्षकों की कमी के चलते ही राज्य की परीक्षाओं में छात्रों का प्रदर्शन खराब रहता है। जिसकी वजह से अभिभावक बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने में भलाई समझते हैं। विद्यार्थियों, खासकर लड़कियों, द्वारा पढ़ाई के बीच में स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति को भी इस समस्या के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। निस्संदेह बेहतर और संपूर्ण शिक्षा हासिल करना हर छात्र का अधिकार है, इस दिशा में सरकार से गंभीर पहल की उम्मीद की जानी चाहिए।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी तो होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वत- ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

गुजरात हाईकोर्ट से राहुल को राहत नहीं

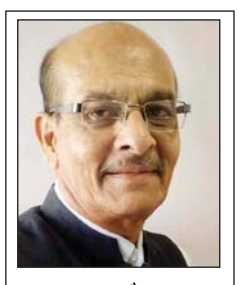

सनत जैन

गुजरात हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक ने राहुल गांधी को सूरत कोर्ट से सुनाई गई सजा को बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि सजा स्थगित करने का कोई आधार नहीं दिख रहा है। न्यायमूर्ति ने स्थगन याचिका को खारिज करते हुए कहा, राहुल गांधी के खिलाफ 10 से अधिक मामले लंबित हैं। मानहानि के मामले में वह गैर जिम्मेदारी के साथ ब्यान देते हैं। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि वीर सावरकर के पोते ने भी वीर सावरकर के अपमान को लेकर मानहानि का मामला दर्ज कराया है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद, राहुल गांधी को मानहानि के इस मामले मैं सुप्रीमकोर्ट में जाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा है। राहुल गांधी को मानहानि के मामले में अधिकतम 2 साल की सजा निचली अदालत द्वारा सुनाई गई है सेशन कोर्ट और हाईकोर्ट से भी निचली अदालत की सजा बरकरार है निचली कोर्ट से सजा मिलते ही, दूसरे दिन उनकी संसद की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। सरकार को भरोसा था कि वह सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। लेकिन राहुल गांधी और उनके वकील सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ते हुए पहले सेशनकोर्ट और बाद में हाईकोर्ट गए। उन्हें राहत नहीं मिली, अब वह सुप्रीमकोर्ट जाएंगे। जिस मामले में राहुल गांधी को संसद से सदस्यता चली गई। हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद भी लंबे समय तक हाईकोर्ट ने आदेश लंबित रखा था। जिस तरह की सुनवाई दोनों पक्षों की हाईकोर्ट में हुई थी। उससे यह आभास हो रहा था, कि गुजरात हाईकोर्ट से राहुल गांधी को राहत नहीं मिलेगी। जब फैसला आया, तो जो धारणा बनाई गई थी, वह सच साबित हुई। बहरहाल राहुल गांधी की सजा का मामला न्यायालयीन कम राजनीतिक रूप से ज्यादा प्रभाव डाल रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल गांधी जान-बूझकर संसद से जो सदस्यता समाप्त की गई है। उसका राजनीतिक लाभ योजनाबद्ध तरीके से ले रहे हैं। इसीलिए वह जानबूझकर मानहानि के इस मामले में जो अधिकतम सजा उन्हें दी गई है। उसको लेकर देश और विदेश में उन्होंने एक राजनीतिक लड़ाई के रूप में आगे ले जाने का फैसला किया है। हिमाचल और कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में इसका लाभ उनकी पार्टी को हुआ है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस और राहुल गांधी ने संसद की सदस्यता को लेकर जो पिच तैयार की है उस पिच में खेलकर भाजपा फंसती चली जा रही है। राहुल गांधी की सजा जिस तरह से लोकसभा से समाप्त की गई है। उसको लेकर देशभर में उनके प्रति एक सहानुभूति देखने को मिल रही है राहुल गांधी ने कर्नाटक की चुनावी सभा में नीरव मोदी सुशील मोदी... के नाम लेकर कहा था, कि सारे चोरों के नाम मोदी सरनेम के क्यों होते हैं। राजनीति में इस तरह के आरोप प्रत्यारोप हमेशा से लगते रहे हैं। मानहानि के मामले में सार्वजनिक सजा राहुल गांधी को ही क्यों दी गई है। गुजरात राज्य में मानहानि का मुकदमा भाजपा विधायक ने दर्ज कराया। अभी तक की सारी कार्यवाही गुजरात के न्यायालयों में ही हुई है। राहुल गांधी ने संसद की सदस्यता समाप्त होने के बाद, सरकारी बंगला सरकार के कहने पर निर्धारित समय में खाली किया। जिस तरह से वह देशभर में घूमकर मोहब्बत की दुकान का जो पैगाम लेकर जा रहे हैं। वह आम लोगों से मिल रहे हैं। उनसे राहुल गांधी की व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ती जा रही हैं। आज वह प्रधानमंत्री मोदी के समकक्ष खड़े होते हुए नजर आ रहे। हैं इस मामले में जितना भी विलंब होगा इसकी सहानुभूति राहुल गांधी और कांग्रेस के पक्ष में होना तय माना जा रहा है। वहीं एक संदेश आम जनता के बीच यह भी जा रहा है, कि भारतीय जनता पार्टी, राहुल गांधी के बढ़ते जन समर्थन को देखते हुए, उन्हें संसद से बाहर रखना चाहती है। इसलिए जानबूझकर इस प्रकरण में इतना विलंब कराया जा रहा है। हाईकोर्ट का फैसला 1 महीने से ज्यादा लंबित रहा। अब सुप्रीमकोर्ट में यह मामला जाएगा। राहुल गांधी की रणनीति को देखते हुए, यही लगता है कि वह इस मामले को ज्यादा से ज्यादा समय तक विशेष रुप से 2024 के लोकसभा चुनाव तक लंबित रखना चाहते हैं। सरकार भी रहुल की पिच में आकर खेलने के लिए विवश है। मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यदि उन्हें सुप्रीमकोर्ट से कोई राहत 20 जुलाई के पहले नहीं मिलती है, तो वह लोकसभा की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकेंगे। यह भी कहा जा रहा है, कि हो सकता है यह संसद का आखिरी सत्र हो। माना जा रहा है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ लोकसभा के चुनाव भी हो सकते हैं। यदि ऐसा हुआ, तो शीतकालीन सत्र भी संभवतः नहीं होगा। राहुल गांधी की सदस्यता और सजा का मामला चुनाव में बहुत बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। उत्तर भारत के साथ-साथ दक्षिण भारत में भी इसका बड़ा असर होगा। गुजरात हाईकोर्ट ने अपने फैसले में जिस तरह से वीर सावरकर एवं मानहानि के अन्य मामलों का उल्लेख करते हुए, फैसला दिया है। इसका फायदा भी राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को मिलना तय माना जा रहा है। इसका असर विपक्षी दलों के गठबंधन को भी मिलेगा। राजनीति के पंडितों यह कहना है 1977 में आपातकाल के बाद जिस तरह की स्थिति जनमानस में देखने को मिली थी। सभी राजनीतिक दल उस समय बुरी तरह से भयभीत थे। सभी ने अपने डंडे और झंडे का विलय जनता पार्टी में कर दिया था। एक साथ एक ही चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था। जिसके कारण पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी को 1977 में पराजित होना पड़ा था। विपक्षी दलों के नेताओं को जिस तरह से ईडी और सीबीआई का भय है। उससे ठीक 1977 जैसी स्थिति देखने को मिल रही है। राहुल गांधी की 2 साल की सजा और संसद से सदस्यता समाप्त होना सत्ता पक्ष द्वारा आग में घी डालने जैसा मामला हो गया है। इसका लाभ विपक्ष के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है।

डेलिवरी बॉय खतरनाक भी हो सकते हैं

आजकल शहरों और महानगरों में रहने वालों के पास कार्याधिक्यता होने के कारण अपनी आवश्यकताओं की पुर्तियाँ घर बैठे करने या कराने का चलन हो गया हैं। छोटे कस्बों और ग्रामीण अंचल इनसे अछूते हैं।

महानगरों में खाना बुलाना और हर सामग्री जैसे साग सब्जियां किराना आदि ऑनलाइन बुलाने का चलन आम हो गया हैं, बहुत पहले घरों में डाकिया ही आता था डाक देने उसके अलावा हर काम खुद करते थे। जगह छोटी रहती थी और दुकाने पहुँच में होती थी। स्वयं जाकर अपनी मनपसंगी की सामग्रियां लाते थे, वहां पर आज जैसे व्यस्तता नहीं थी।

वर्त्तमान समय में आक्रामक बाजारीकरण के कारण और विज्ञापनों के माध्यम से हमारे मन मष्तिष्क में यह बात बैठा दी गयी हैं की हम घर बैठे सब सामान बुला सकते हैं, हर सामग्री का कोड नंबर होने से अपनी स्वेच्छानुसार सामग्री बुला सकते हैं और आ भी रही हैं। इसमें अब मोल भाव के साथ चुनाव करने का अवसर नहीं होता हैं। इसमें कभी कभी सही सामग्री भी मिलती हैं और कभी गलत सामान भी मिलता हैं। इसमें पैसा अधिक अप्रत्यक्ष में देना पड़ता हैं जिसे सेवा शुल्क भी कहते हैं।

आजकल जोमेटो, स्विग्गी आदि कई व्यवसायिक केंद्र बन गए हैं हो निश्चित समयावधि में आपको खाना पहुंचाते हैं। विलम्ब होने पर उसकी भरपाई करनी होती हैं। इस सम्बन्ध कई बार कई ऐसी घटनाओं की जानकारी दी कि उनमे से कुछ सेवक पैकिंग खोलकर खाना खाते हैं। आजकल रेडीमेड खाना खाने का

चलन बहुत हैं। जब हमें स्वयं होटल में उपस्थित होकर क्या कैसा दिया जा रहा हैं इसकी कोई गारण्टी नहीं होती हैं। अभी पिछले दिनों एक होटल के खाने में मरा चूहा निकला। कीड़े मकोड़े निकलना तो बहुत सामान्य बात हैं।

इनसे अधिक संवेदनशील बात यह हैं की हमारे आर्डर के बाद जो डेलिवरी बॉय आकर हमे सामग्री। सामान प्रदाय करते हैं उनको हमारा पता, मोबाइल नंबर के अलावा हमारे परिवार की भी जानकारी मिलती रहती हैं कि हमारे परिवार में कितने लोग हैं और कौन कौन हैं जैसे पति -पत्नी बच्चे, सास -ससुर, नाना- नानी आदि उससे सभी नहीं पर कुछ अपराधी किस्म के लोग इसका फायदा उठाते हैं और कभी कभी लूट के लिए हत्या करने से भी नहीं चूकते। आज कल बहुमजिला भवनों में बहुत अच्छी सुरक्षा होती हैं और उसी में ऐसी वारदाते होती हैं, सुरक्षा करने वालों से सांठ गाँठ होने के कारण अपराध करना सुगम हो जाता हैं, आजकल सामाजिकता खतम होने से आस पड़ोस को भी नहीं मालूम पड़ता हैं।

इससे बचने का क्या उपाय हो सकता हैं ?

हर मनुष्य को ईश्वर ने 24 घंटे ही दिए हैं, हमारा समय का प्रबंधन ऐसा होना चाहिए की हम अपना व्यवसाय, नौकरी के साथ नित्य की जरूरतों को स्वयं करे। अधिक पराधीनता दुःख का कारण होता हैं, नित्य डेलिवरी बॉय का आना जिसे आपके मोबाइल नंबर, पता मालूम होना बहुत खतरनाक हो सकता हैं की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता हैं, से बचना चाहिए। और जो यह काम करते या करवाते हैं वे सामान्य जनो से अधिक शिक्षित और सम्पन्न होते हैं। स्वाभाविक हैं वे समझदार भी होते हैं। हमे स्वालम्बी होकर काम करना चाहिए। परावलम्बी होने से कभी कभी कठिनाई उठानी पड़ सकती हैं।

-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

सातदिवसिय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

खब्बर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा प्रयोजित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परियोजना के अंतर्गत प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर अमृतेश चंद्र शुक्ल के निर्देशन में स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित सात दिवसीय (1 से 7 जुलाई) निःशुल्क मशरूम उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मशरूम संवर्धन क्षेत्र में शोध प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना तथा छात्रों को मशरूम संवर्धन की विभिन्न तकनीकों पर प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर के 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस सप्तदिवसिय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर शुक्ला की रिसर्च टीम डॉ. रिचा शर्मा, अंकिता मौर्य, हिमांशु यादव, रजा वारिस, दिव्यांशु यादव, रामानंद यादव, हर्षिता गौरव

और शालिनी चौरसिया के सहयोग से सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में मशरूम उत्पादन के दौरान उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों और तकनीकों की जानकारी प्रशिक्षक अंकिता मौर्य एवं हिमांशु यादव द्वारा प्रशिक्षार्थिओं को प्रदान की गयी। तकनीकी जानकारी के साथ साथ छात्रों को उपकरणों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के द्वितीय एवं तृतीय चरण में प्रशिक्षक रजा वारिस, हर्षिता गौरव, रामानंद यादव एवं दिव्यांशु यादव के द्वारा कवक संवर्धन और मशरूम सब्सट्रेट तैयारी का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण सत्र के बाकी चरणों के दौरान, छात्रों को मशरूम संवर्धन क्षेत्र में विभिन्न अभ्यासाधन कार्यक्रमों, और व्याख्यानों के माध्यम से डॉ. रिचा शर्मा के द्वारा ऑयस्टर मशरूम उत्पादन के सम्बंधा में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। इसके अंतर्गत प्रशिक्षार्थिओं को भूसे को भिगाने की प्रकिया, सपॉनिंग तथा बैगिंग का तरीका सिखाया गया। मशरूम उत्पादन के साथ साथ इसके मूल्य संवर्धन पर भी ध्यान केंद्रित गया। जिसके अंतर्गत प्रशिक्षार्थिओं को मशरूम की खाने की चीजें जैसे पकौड़ी, नमकीन, चिल्ला, सूप आचार, बिस्किट, मठरी एवं लड्डू बनाना सिखाया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन में दक्षिण कोरिया से आये आगुन्तको ने मशरूम उत्पादन तथा मूल्य संवर्धन की जानकारी ली। उन्होंने प्रशिक्षार्थिओं से संवाद किया तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता बताते हुए इसकी प्रशंसा की। शोधाधीन सात दिवसीय मशरूम संवर्धन प्रशिक्षण के समाप्ति पर कार्यक्रम आयोजक प्रोफेसर शुक्ला ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और बताया कि यह कार्यक्रम मशरूम उत्पादन क्षेत्र में शोधाधीन छात्रों के लिए एक बड़ा अवसर है। प्रो. शुक्ला ने कहा की हम देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, और इसमें हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का मुख्य केंद्र लघु उद्यमिता के विकास पर है। इस दृष्टिकोण स मशरूम संवर्धन क्षेत्र विज्ञान और तकनीक के साथ उद्यमिता का एक महत्वपूर्ण रोचक क्षेत्र है। इसमें अध्ययन करने से आप खुद को विशेषज्ञता और नवीन वैज्ञानिक विचार के साथ सशक्त कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण सत्र स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को मशरूम संवर्धन क्षेत्र में क्रांति लाने और उनकी क्षमताओं को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम होगा। इस संबंध में प्रो. शुक्ला ने स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्रों की भविष्य में उद्यमिता को लेकर निर्देशन करने का आश्वासन दिया है। एवं उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए ऐसे आयोजन छात्रों के लिए आगे भविष्य में भी आयोजित किये जाते रहेंगें। आयोजन के समापन के दौरान प्रो. शुक्ला ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह तथा प्रशिक्षार्थिओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रेमी ने झगड़े के बाद गला दबाकर की थी विधवा महिला की हत्या,आरोपी गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। गोसाईगंज के शिवलर गांव में हुयी विधवा महिला संतोषी रावत की हत्या का शुक्रवार को पुलिस ने खुलासा करते हुये आरोपी प्रेमी को हबुआपुर गांव के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।दक्षिणी जोन पुलिस कार्यालय पर विधवा महिला हत्याकांड के अनावरण के सम्बंध में आयोजित प्रेसवार्ता में एडीसीपी शंशाक सिहं ने बताया बीते बुद्ववार की देर शाम विधवा महिला संतोषी रावत का उसके घर के अंदर कमरे में तख्त पर सदिग्धं

परिस्थितियों मे शव पड़ा मिला,मजदूरी कर घर पहुंचे बेटे रुद्राक्ष ने मां का शव पड़ा देख पुलिस को सूचना देने के साथ ही मां के प्रेमी नीरज रावत पर हत्या का आरोप लगाते हुये तहरीर दी थी,जिसके बाद आरोपी नीरज के विरूद्व हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर तलाश के लिये इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस की कई टीमो को लगाया गया था,शुक्रवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी नीरज को हबुआपुर पुल के पास से गिरफ्तार कर थाने लाकर कड़ाई से पुछताछ की तो उसने बताया बुद्ववार को विधवा महिला के बेटे रूद्राक्ष के काम पर जाने के बाद वो उसके घर गया जहां पर बात चीत के दौरान किसी बात को लेकर उसका झगड़ा हो गया तो उसने गला दबाकर अपनी प्रेमिका की हत्या कर मौके से भाग निकला।आरोपी नीरज ने बताया मृतका से उसके करीब चार सालो से सम्बंध थे ओर वो उसके साथ ही रहता था।इंस्पेक्टर दिनेश चन्द्र मिश्रा ने बताया हत्यारोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बेटे ने मां से मुकदमा लिखाकर भिजवाया था आरोपी को जेल...

एसीपी अमित कुमावत ने बताया मां से आरोपी नीरज के अवैध सम्बंध बेटे रूद्राक्ष को अखरते थे,2022 में मां को आरोपी के साथ रंगे हाथ पकड़ने पर बेटे ने मां की तरफ से आरोपी नीरज के विरूद्व रेप समेत अन्य धाराओ में मुकदमा लिखाया था,उक्त मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था ओर चार माह जेल में रहने के बाद आरोपी छुटकर बाहर आया था,जिसके बाद भी आरोपी की नजदीकिया महिला से कम नही हुयी ओर वो अक्सर रूद्राक्ष के मजदूरी पर जाने पर उसकी मां से मिलने घर पहुंच जाता था।

पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य की निर्मम हत्या, खेत की मेड़ का चल रहा था विवाद, पत्नी को भी मारा

उन्नाव (ब्यूरो)। उन्नाव जिले में सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के कोड़वा गांव में खेत में मेड़ बनाने के दौरान पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। पत्नी ने बचाने का प्रयास किया, तो उसके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद आरोपी पड़ोसी गांव निवासी किसान और तीन बेटे भाग निकले।

कोतवाली पुलिस की सूचना पर एसडीएम और सीओ घटनास्थल पर पहुंचे। आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने का आश्वसन देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एएसपी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे रामखेलावन अपनी पत्नी माया के साथ खेत में मेड़बंदी कर रहा था। जानकारी पर नन्हू अपने तीन बेटों के साथ करीब आठबजे कुल्हाड़ी लेकर खेत पहुंच गया। वहां दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। गुस्साए नन्हूं ने रामखेलावन के सिर पर कुल्हाड़ी से दो–तीन वार कर मौत के घाट उतार दिया। पत्नी माया ने पति को बचाने का प्रयास किया, तो हत्यारोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की।

घटना के बाद हत्यारोपी मौके से भाग निकले। हत्या की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। पुलिस को सूचना दी गई। करीब एक घंटे बाद 9रू30 बजे कोतवाल आशोक कुमार, सीओ ऋषिकांत शुक्ला, एसडीएम शिवेंद्र कुमार वर्मा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इसके बाद में एएसपी शशिशेखर ने भी घटनास्थल की जांच की है। एएसपी ऋषिकांत शुक्ल ने बताया कि गांव में लॉ एंड ऑर्डर की कोई समस्या नहीं है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अभी तीन हत्यारोपियों के नाम सामने आ रहे हैं।

तहरीर आने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि सफीपुर कोतवाली की ग्राम पंचायत इब्राहिमाबाद के मजरा कोड़वा निवासी पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य रामखेलावन पासवान (50) का पड़ोसी गांव मनियाखेड़ा निवासी नन्हू निषाद से कई साल से खेत में मेड़ को लेकर विवाद चल रहा है। इसी को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया है।

मुफ्त मिलने वाले इंजेक्शन मेडिकल कॉलेज में बेचे जा रहे

हरदोई (ब्यूरो)। स्वशासी राज्य चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालय में भी भर्ती रोगियों के दवा व इंजेक्शन निशुल्क हैं और स्टोर में भी हैं। पर, मधुमेह के उपचार में इस्तेमाल होने वाले तीन इंजेक्शन सर्जिकल वार्ड में 500 रुपये में बेचे जा रहे हैं। स्टोर में दवा व इंजेक्शन होने के बाद भी डॉक्टर ने तीमारदार को बाहर से इंजेक्शन लाने की सलाह दी। इस पर वार्ड के एक कर्मचारी ने 500 रुपये में पहले दो इंजेक्शन देने का सौदा किया, बाद में तीन इंजेक्शन दे दिए। कोतवाली देहात के महोलिया शिवपाल निवासी सतीश चंद्र श्रीवास्तव की पत्नी कल्पना (51) गंभीर बीमारी से परेशान हैं। मरीज के रिश्तेदार वृंदावन ने बताया कि उन्हें मधुमेह की दिक्कत है। साथ ही पीट में फोड़ा होने के कारण उन्होंने मेडिकल कॉलेज में सर्जन को दिखाकर परामर्श लिया था। इसके बाद उन्हें सर्जिकल वार्ड एक में बेड नंबर 21 पर भर्ती किया गया है। जहां पर तीमारदार ने बताया वार्ड में राउंड के दौरान फिजिशियन ने उन्हें एक इंजेक्शन बाहर से लाने के लिए लिखा था। बाहर इंजेक्शन 400 रुपये का मिला। वृंदावन बिहारी ने बताया कि वार्ड में एक युवक मिला। उसने अपने को कर्मचारी बताया। उसने कहा कि यही से इंजेक्शन लेना हो तो 500 रुपये में दो इंजेक्शन मिलेंगे। इसके बाद उस कर्मचारी ने सर्जिकल वार्ड के सबसे नीचे तल से तीन इंजेक्शन निकालकर दिए। बदले में पांच रुपये लिए।

पीड़ित ने फोन से सीएमएस को सूचना दी। सीएमएस डॉ. जेके वर्मा ने बताया कि कोई लिखित सूचना नहीं है। जानकारी कर प्रकरण में तीमारदार के रुपये वापस दिलाए जाएंगे।

मुख्य आरोपी को भेजा जेल, हमले में प्रयुक्त हथियार बरामद

औरैया (ब्यूरो)। औरैया जिले के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में क्लीनिक में घुस कर युवक पर चाकुओं से हमला करने के मुख्य आरोपी को पुलिस ने मौहारी के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। फरार तीन अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस ने कई जगहों पर रात में दबिश दी है। सीओ भरत पासवान ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को बताया कि जिस युवक पर उसने चाकू से हमला किया वह उसे बेवजह परेशान करता था। परेशान होकर ही वह नोएडा चला गया था। चार दिन पहले जब वह घर आया तो उस पर झूठे आरोप लगाकर पकड़वा दिया था।

इसी खुन्नस पर उसने हमला कर दिया। बता दें कि बुधवार सुबह फूटाकुआं के पास एक क्लीनिक पर मौजूद युवक के ऊपर चाकुओं से हमला किया गया था। इस मामले में पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर कबीरम,

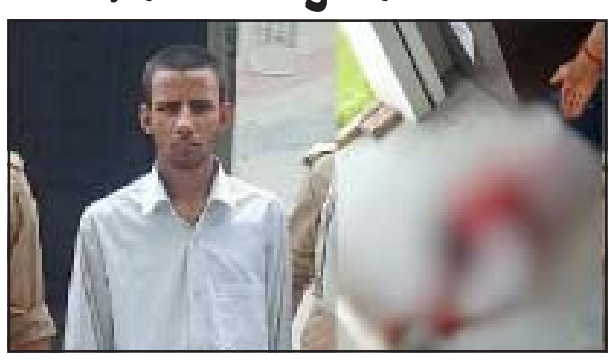

उसके भाई सुंदरम, अरविंद व विनय के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने रात में ही कबीरम को मौहारी के पास से गिरफ्तार किया। वहीं उसकी निशानदेही पर क्लीनिक के पीछे खेत से हमले में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। सीओ भरत पासवान ने बताया कि पकड़े गए आरोपी को जेल भेज दिया गया है। नामजद अन्य लोगों की संलिप्तता की जांच की जा रही है। बेटियों से छेड़छाड़ करने का विरोध करने पर जिस युवक पर चाकुओं से ताबड़तोड़ नौ वार किए गए उसकी हालत सैफई में गंभीर बताई जा रही है। कई डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस भी घायल की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं घटना के बाद से पीड़ित का परिवार घर पर नहीं है। क्लीनिक पर दिनदहाड़े हमले में कई तथ्य निकल कर सामने आ रहे हैं। प्रथम दृष्टया पुलिस ने मामला प्रेम प्रसंग का माना है। पुलिस का मानना है कि हमलावर एक ही था। जबकि पीड़ित की पत्नी ने चार लोगों को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पहले आर्य समाज मंदिर में रचाई शादी, फिर गांव पहुंचकर किया निकाह

हरदोई (ब्यूरो)। हरदोई जिले के सुरसा थाना क्षेत्र में एक गांव के रोशन अली ने रोशन लाल बनकर हिंदू युवती से दिल्ली के एक आर्य समाज मंदिर में शादी की। इसके बाद युवती को गांव लेकर आया और उसी से गांव में निकाह कर लिया। मामले में जब विवाद बढ़ा और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आपत्ति दर्ज कराई।

इसके बाद पुलिस दोनों को लेकर कोतवाली पहुंची और मामले में पूछताछ शुरू की है। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के उमरापुर मजरा रामपुर निवासी रोशन अली पुत्र नसरुद्दीन दिल्ली में रहकर बस स्टैंड के पास बने मंदिर के पास फूल माला बेचने का काम करता था। इस दौरान उसने रोशन अली से रोशनलाल बनकर हिंदू युवती से शादी कर ली और हिंदू धर्म अपना लिया। आर्य

समाज मंदिर, दिल्ली में दोनों की शादी हुई। इसके कुछ समय बाद रोशन लाल बनकर जब वह अपने गांव आया, तो उसे फिर से मुस्लिम धर्म में वापसी करनी पड़ी। उसने उसी युवती के साथ मुस्लिम धर्म अपनाते हुए निकाह कर लिया। जब इसकी सूचना बजरंग दल को लगी, तो मौके पर पहुंच गए। इसके बाद मामले की शिकायत सुरसा पुलिस से की। इस शिकायत पर पुलिस ने दोनों को थाने पर बुला लिया। मामले को लेकर ग्रामीणों में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। अब बड़ा सवाल यह है कि रोशन अली ने जब हिंदू धर्म अपनाकर हिंदू रीति रिवाज से शादी की थी, तो निकाह किस लिए किया गया। इस पर उसका कहना है कि वह अपने परिवार और अपनी पत्नी दोनों को नहीं छोड़ना चाहता। मामले में विहिप के प्रांत उपाध्यक्ष हर्ष वर्धन सिंह ने कहा कि जो भी दोषी है, उस पर कार्यवाई की जाए।

खबर एक नजर में

27 जून से 04 जुलाई के मध्य आगरा क्षेत्र से मेला बसों के संचालन से 3.94 करोड़ रूपये का राजस्व हुआ प्राप्त –परिवहन मंत्री

लखनऊ खबर दृष्टिकोण।उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि 27 जून से 04 जुलाई के मध्य आगरा क्षेत्र में मुड़िया पूर्णिमा का मेला सम्पन्न हुआ। 01 जुलाई से 03 जुलाई तक पीक समय था। उन्होंने बताया कि इस दौरान आगरा क्षेत्र में संचालन से परिवहन निगम को कुल 3.94 करोड़ रूपये राजस्व प्राप्त हुआ। इस दौरान कुल 516594 यात्री परिवहन निगम की बसों से यात्रा किये।परिवहन मंत्री ने बताया कि आगरा क्षेत्र से 372 बसें, अलीगढ़ क्षेत्र से 125 बसें, मेरठ क्षेत्र से 69 बसें, गाजियाबाद क्षेत्र से 116 बसें एवं इटावा क्षेत्र से 146 बसों सहित कुल 828 बसों का संचालन परिवहन निगम ने किया।

11 जुलाई को मनाया जाएगा विश्व जनसंख्या दिवस

आजादी के अमृत महोत्सव में हम लें ये संकल्प–परिवार नियोजन को बनाएंगे खुशियों का विकल्प

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ जनपद में 27 जून से दंपति संपर्क पखवारा शुरू हो गया है जो कि 10 जुलाई तक चलेगा। इस दंपति संपर्क पखवारे के दौरान आशा कार्यकर्ता अपने–अपने कार्य क्षेत्र की आबादी में योग्य दंपति यानि जिनको परिवार नियोजन के बारे में परामर्श की आवश्यकता है, को चिन्हित करने का काम कर रही हैं।यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि हर साल की भांति इस साल भी 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस आजादी के अमृत महोत्सव में हम लें ये संकल्प, परिवार नियोजन को बनाएंगे, खुशियों का विकल्प के साथ थीम के साथ मनाया जाएगा। इस दिवस को मनाए जाने का उद्देश्य जनसाधारण को सीमित परिवार के लाभों के बारे में जागरूक करने के साथ ही परिवार नियोजन को गति प्रदान करना है। विश्व जनसंख्या दिवस दो पखवारे में मनाया जाएगा। 27 जून से 10 जुलाई तक दंपति संपर्क पखवारा और 11 जुलाई से 24 जुलाई तक सेवा प्रदायगी जनसंख्या स्थिरता पखवारा। पखवारे के दौरान समुदाय को उचित आयु में विवाह, बच्चों के बीच जन्म में अंतर रखने, प्रसव पश्चात एवं गर्भसमापन पश्चात परिवार नियोजन की सेवाएं, और परिवार नियोजन में पुरुष सहभागिता पर भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

अवैध व्यवसायिक निर्माण को लविप्रा ने किया सील

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर गोमती नगर के विश्वास खण्ड में की गयी कार्रवाई। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में अवैध निर्माणध्प्लाटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई किये जाने के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को प्रवर्तन जोन–1 की टीम ने गोमती नगर में बेसमेंट बनाकर किये जा रहे एक अवैध व्यवसायिक निर्माण को सील किया। प्रवर्तन जोन–1 की जोनल अधिकारी प्रिया सिंह ने बताया कि गोमती नगर के विश्वास खण्ड में स्थित शिवाजी मार्केट में प्राधिकरण द्वारा दुकानें निर्मित करके लोगों को आवंटित की गयी थीं। यहां अशोक कुमार राय, विनोद कुमार राय व अन्य द्वारा मार्केट की दुकान संख्या–25, 26, 27 एवं 28 को तोड़कर बरामदे की जगह मिलाते हुए लगभग 60 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध तरीके से व्यवसायिक निर्माण कराया जा रहा था। निरीक्षण में पाया गया कि निर्माणकर्ताओं द्वारा स्थल पर बेसमेंट के लिए गड्ढे की खुदाई कराकर अपर ग्राउंड फ्लोर विकसित किया जा रहा है। उक्त अवैध निर्माण के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद संख्या–3862023 योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। इसके अनुपालन में आज सहायक अभियंता अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अभियंता राजीव कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से निर्माणाधीन परिसर को सील करते हुए पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया।

पीएम व सीएम आवास योजना के 50 लाभार्थियों को मिली चाभी

मोहनलालगंज व गोसाईगंज विकासखंडो में पीएम व सीएम आवास योजना के 25-25लाभार्थियो को भाजपा जिलाध्यक्ष व विधायक ने ताला-चाभी व प्रमाण पत्र का किया वितरण

मोहनलालगंज। हाउसिगं फार आल लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम के अन्तर्गत शुक्रवार को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के गृह प्रवेश एवं चाभी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कृष्ण लोधी व विधायक अमरेश कुमार रावत ने ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला की मौजूदगी में मोहनलालगंज व गोसाईगंज ब्लाक के 25–25लाभार्थियों को उनके नवनिर्मित आवासो की ताला–चाभी सौपते हुये प्रमाण पत्र का वितरण किया।मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कृष्ण लोधी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री व सूबे के मुख्यमंत्री का सपना है कि 2024 तक हर गरीब को उनके सपनो का घर मिले।विधायक अमरेश कुमार रावत ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को विभिन्न योजनाओं के अर्न्तगत लाभ प्रदान किया जा रहा है। सरकार की इन विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश के गरीब और जरूरतमंद लोगों के जीवन स्तर में सुधार आ रहा है।बीडीओ पूजा सिहं ने कहा कि हमारा यह प्रयास है कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को उसकी पात्रता के अनुसार हर योजना का लाभ मिले।प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारम्भ होने से अब तक मोहनलालगंज विकासखंड क्षेत्र के 3830लाभार्थियों को आवास दिया जा चुका है,जिसमें 3677आवास पूर्ण हो चुके हैं।सीएम आवास योजना के अन्तर्गत 134लाभार्थियों को भी आवास दिया जा चुका हैं।बीडीओ ने कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेटकर स्वागत किया।इस मौके पर गोसाईगंज बीडीओ निशान्त राय,प्रशिक्षु बीडीओ सर्जना श्रीवास्तव,ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला,प्रधान संघ अध्यक्ष देवेन्द्र सिहं, प्रधान प्रभाकर त्रिवेदी, अभय दीक्षित, सूर्य कुमार द्विवेदी, प्रधान प्रतिनिधि नीरज त्रिवेदी,प्रदीप सिहं,आवास लिपिक जुबैर अहमद,विनोद साहू समेत काफी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहें।

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरुम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत=100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ = प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिगनिन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्टूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत=, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठ्यमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत= सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत= सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्क2.5ङ्क2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-टुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन= स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन=जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) = यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण =फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां =देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण = फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी = ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण =घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा = ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण = क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक = कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण =मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत=जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

अल्लू अर्जुन और त्रिविक्रम फिर से करेंगे रोमांचित

साउथ के फिल्म निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास और अल्लू अर्जुन की ड्रीम टीम फिर से लोगों को रोमांचित करने आ रहे हैं। यह अल्लू अर्जुन और निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास की 4थी फिल्म होगी। इससे पहले यह जोड़ी दर्शकों को जुलयी, सन ऑफ सत्यमूर्ति और बहुप्रशंसित अला वैकुंठपुरमुलू दे चुके हैं।

लोगों का कहना है कि प्रोडक्शन बैनर हरिका एंड हसीन क्रिएशन्स और गीता आर्ट्स ने अल्लू अर्जुन और त्रिविक्रम श्रीनिवास इस जोड़ी की इस फिल्म को बड़े भव्य पैमाने की बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म के निर्माण के पीछे अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविन्द और एस.राधाकृष्ण हैं, जो इस फिल्म को पैन इंडिया के तौर पर बनाएंगे ।बीते कई दिनों से इस बात की चर्चा चल रही थी कि अल्लू अर्जुन आदिपुरुष का हश्र देखने के बाद आदित्य धर की महत्वाकांक्षी फिल्म द इम्मोर्टल अश्वत्थामा को साइन करने के इच्छुक नहीं हैं।

सूत्रों के अनुसार, आदिपुरुष को मिली प्रतिक्रियाओं ने आदित्य धर की भारी वीएफएक्स वाली फिल्म से दूर कर दिया। अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2 के बाद अपनी अगली फिल्म – द रूल साइन की है। इसका निर्देशन त्रिविक्रम ने किया है। अभिनेता और निर्देशक ने अतीत में जुलायी (2012), सन ऑफ सत्यमूर्ति (2015) और ब्लॉकबस्टर अला वैकुंठपूर्मुलु (2020) जैसी सफल फिल्मों में सहयोग किया है। कथानक के बारे में ज्यादा कुछ नहीं पता है लेकिन यह पूरी तरह से सामूहिक मनोरंजन करने वाली फिल्म होने की गारंटी है ।कहने की जरूरत नहीं है, त्रिविक्रम के साथ अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म एक पैन-इंडिया फिल्म होगी और हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं और मूल तेलुगु संस्करण में भी रिलीज होगी।

अल्लू अब भारत के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। पुष्पा- द राइज़ – पार्ट 01 (2021) ने उन्हें बेहद लोकप्रिय बना दिया है। इसके अलावा, हिंदी भाषी बाजारों में अला वैकुंठपूर्मुलु का व्यापक रूप से उपभोग किया गया है। दर्शक यह जानकर निश्चित रूप से उत्साहित होंगे कि अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी एक फिल्म के लिए वापसी कर रही है। यह निश्चित रूप से सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक होगी ।हालांकि फिल्म को बनने में अभी समय लगेगा। अल्लू अर्जुन फिलहाल पुष्पा 2- द रूल में व्यस्त हैं, जो 2024 में रिलीज होगी और बॉक्स ऑफिस पर आग लगाने की भी उम्मीद है।

रोजिक को चूमने पर उर्फी ने की आलोचना

अभिनेत्री उर्फी जावेद ने बिग बॉस ओटीटी 2 में हाउस गेस्ट अब्दु रोजिक को जबरन चूमने की आलोचना की है। अब्दु रोजिक को प्रतियोगी मनीषा रानी ने जबरन चूम लिया, जिसका फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बिग बॉस ओटीटी 2 में अब्दु को अपनी पसंद के चार प्रतियोगियों के साथ अपने गाने चालक ब्रो और छोटा भाईजान पर एक रील शूट करना था। अब्दु ने जद हदीद, मनीषा रानी, अविनाश सचदेव, जिया शंकर के साथ रील शूट करने का फैसला किया। यह फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मनीषा की अनुचित व्यवहार के लिए आलोचना की गई। उर्फी ने लिखा, यह देखना बहुत मुश?किल था। वह उसे जबरदस्ती क्यों चूम रही थी? वह बच्चा नहीं है। घटना के बाद अब्दु परेशान दिखे। उन्होंने कहा बिग बॉस मेरा काम हो गया। उसने मुझे मार डाला। मैंने उसकी जगह किसी और को क्यों नहीं चुना? ये मेरी जिंदगी की एक बड़ी गलती थी, वह पागल है।

ऋचा चड्ढा ने किया सेट पर हुए भेदभाव का खुलासा, बोलीं- मेरा सामान फेंक दिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा अपने बेबाक बयानों की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। ऋचा ने फिल्म 'ओए लकी लकी ओए' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया। अली फजल संग शादी रचाने के बाद ऋचा लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर चल रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान ऋचा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके साथ सेट पर कई बार भेदभाव हुआ है। लोगों का रवैया उन्हें लेकर अच्छा नहीं रहा है। पिंकविला संग बातचीत के दौरान ऋचा चड्ढा ने कहा, यह फिल्म ओए लकी लकी ओए की शूटिंग के दौरान की बात है। वह शूटिंग के लिए सीधा कॉलेज से आई थीं। उस वक्त मुझे 103-104 बुखार था। शुरुआत में मुझे बताया गया कि कोई एक्टर देर से आने वाला है, इसलिए तब तक मैं वो स्पेशल वैनिटी वैन यूज कर सकती हूं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगभग पूरे दिन शूटिंग करती नथी। लेकिन जिनके लिए वो वैनिटी वैन मंगाई गई थी, वो समय से पहले आ गए। मुझे इस बारे में पता नहीं था, मैं उस समय सीन शूट करने गई हुई थीं। ऐसे में जिनके लिए वो वैनिटी वैन आई थीं उनके स्टाफ ने मेरा सारा सामान उठाकर बाहर फेंक दिया। ऋचा ने कहा, मुझे यह सब देख काफी बुरा लगा था, क्योंकि मेरे पास अपना मेकअप का सामान नहीं था। वो सारा कुछ कंपनी का दिया हुआ था। आप किसी के साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं? हालांकि ये चीजें होती रहती हैं। वहीं, अब सोशल मीडिया के इस दौर में कुछ चीजें अच्छी हो गई हैं कि लोग ऐसी कोई भी हरकत करने से पहले अलर्ट रहते हैं, क्योंकि सभी के पास फोन है और कैमरा है।

'ओएमजी 2' से सामने आया यामी गौतम का फर्स्ट लुक पोस्टर

साल 2012 में रिलीज हुई अक्षय की फिल्म 'ओएमजी' में बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी। इस फिल्म में अक्षय भगवान श्रीकृष्ण के रूप में नजर आए थे। वहीं अब अक्षय कुमार 'ओएमजी 2' में भगवना शिव के रूप में नजर आने वाले हैं। बीते दिनों इस फिल्म से अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी का फर्स्ट लुक सामने आया था। अब 'ओएमजी 2' से यामी गौतम का फर्स्ट लुक पोस्टर भी रिलीज हो गया है। इस पोस्टर में यामी गौतम वकील के किरदार में नजर आ रही हैं। पोस्टर में यामी ने काला कोट पहना है और उनके चेहरे पर गजब का आत्मविश्वास दिख रहा है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए अक्षय ने लिखा, 'सच वही हैं जो साबित किया जा सके... सत्य की लड़ाई शुरू होने वाली है। ओएमजी 2 सिनेमाघरों में 11 अगस्तको रिलीज हो रही है।' इसके साथ उन्होंने बताया? कि फिल्म का टीजर भी जल्द रिलीज होने वाला है। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर 'ओएमजी 2' की टक्कर सनी देओल की 'गदर 2' से होने वाली है। ओएमजी 2 में अक्षय कुमार के साथ यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी अहम किरदार में हैं। इस बार यह फिल्म शिक्षा व्यवस्था पर आधारित होने वाली है। इस फिल्म को विपुल शाह, राजेश शाह, अश्विन वरदे और अक्षय कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के निर्देशक अमित राय हैं।

सबसे ज्यादा अवॉर्ड्स जीतने वाले अभिनेता थे दिलीप कुमार

–गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है नाम

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार की 7 जुलाई को दूसरी पुण्यतिथि हैं। दिलीप कुमार का जन्म 11 दिसंबर को साल 1922 पाकिस्तान के पेशावर में हुआ था। उनका असली नाम मोहम्मद युसुफ खान था लेकिन फिल्मों के आने के बाद वह दिलीप कुमार हो गए। दिलीप कुमार ने साल 1944 में फिल्म 'ज्वार भाटा' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। अपने पांच दशक लंबे करियर में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दी और कई अवॉर्ड भी अपने नाम किए। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता सर्वाधिक फिल्म फेयर पुरस्कार प्राप्त करने का कीर्तिमान दिलीप कुमार के नाम दर्ज है। इसके अलावा दिलीप कुमार ने एक फिल्मफेयर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, नेशनल फिल्म अवॉर्ड, पद्मभूषण, पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड और पाकिस्तान सरकार द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-पकिस्तान जैसे अवॉर्ड अपने नाम किए। दिलीप कुमार का नाम सबसे अधिक पुरस्कार जीतने वाले भारतीय अभिनेता के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। दिलीप कुमार भारतीय सिनेमा जगत के ट्रेजेडी किंग और पहले खान सुपरस्टार के रूप में पहचाने जाते हैं। गौरतलब है कि दिलीप कुमार ने मुगल-ए-आजम, देवदास, नया दौर, राम और श्याम जैसी अनेक हिट फिल्में दीं। वह आखिरी बार 1998 में आई फिल्म 'किला' में नजर आए थे।

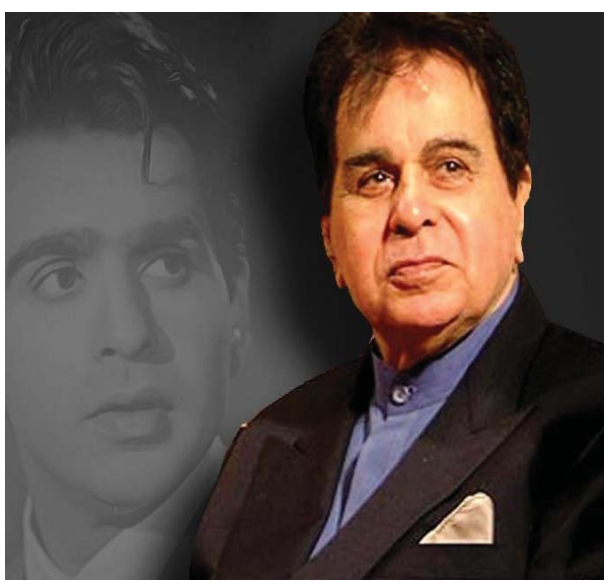

हाउसफुल 5 में नजर आयेंगे अक्षय ओर रितेश

हाल ही में बालीवुड के खतरों के खिलाडी यानि की एक्टर अक्षय कुमार ने कहा है कि हाउसफुल 5 की घोषणा के साथ ही 2024 का दिवाली समारोह हंसी और पागलपन से चार गुना अधिक होने वाला है।

हाउसफुल अपनी अगली किस्त के साथ आने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे यह भारतीय सिनेमा में 5 किस्तों वाली पहली फ्रेंचाइजी फिल्म बन जाएगी। अक्षय कुमार ने ट्विटर पर एक पोस्टर के साथ यह खबर साझा की, जिसने प्रशंसकों के बीच प्रत्याशा की लहर पैदा कर दी। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित, हाउसफुल 5 मौज-मस्ती, मनोरंजन और कॉमेडी की एक रोलर-कोस्टर सवारी के वादे के साथ 2024 में आपकी दिवाली को जगमगाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो आपको झकझोर कर रख देगी ।अक्षय कुमार और रितेश देशमुख के साथ इसमें कई स्टार कलाकार भी शामिल होंगे। अक्षय के पास ओह माई गॉड की दूसरी किस्त भी है।

वह सोरारई पोटरू के हिंदी रीमेक में राधिका मदान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे। उपरोक्त फिल्मों के अलावा, अभिनेता हेरा फेरी 3 के लिए सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ फिर से जुड़े हैं। वह वेदत मराठे वीर दौडले सात के साथ मराठी फिल्म उद्योग में भी अपनी शुरुआत करेंगे ।साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है और यह दिवाली 2024 के दौरान रिलीज़ होगी। अक्षय कुमार की कुछ रोमांचक फिल्में पाइपलाइन में हैं। अभिनेता बड़े मियां छोटे मियां में सोनाक्षी सिन्हा और टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगे।

विकासपुरी में कुत्ते पर चढ़ाई कार, केस दर्ज

नई दिल्ली। जानवरों पर इंसानों द्वारा क्रूरता बरतने की कई घटनाएं दिल्ली और देश के दूसरे हिस्सों में सामने आ चुकी हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला पश्चिमी जिले के विकासपुरी इलाके में सामने आया है। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें एक कार सवार सड़क किनारे बैठे कुत्ते के ऊपर कार चढ़ाते हुए नजर आ रहा है। इस वीडियो को दिल्ली प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने भी ट्वीट किया और पुलिस से आरोपित के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी सोशल मीडिया में वायरल हुई तो दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की बात कही है। डीसीपी विचित्र वीर से मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में केस दर्ज कर लिया गया है। विकासपुरी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली के अंबेडकर नगर में गिरी बिल्डिंग, कई लोगों के दबे होने की आशंका

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के दक्षिणपुरी जे ब्लॉक में शाम साढ़े चार बजे एक निर्माणाधीन दो मंजिला भवन भरभरा कर नीचे गिर गया। इसमें कई लोगों के दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इस भवन में

नानकी पब्लिक स्कूल चलाया जा रहा था, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ाया जाता है। हालांकि, आज बारिश होने के चलते बच्चों की पहले ही छुट्टी कर दी गई थी। दमकल विभाग के अनुसार गुरुवार शाम 4.23 बजे उन्हें सूचना मिली कि अंबेडकर नगर में बिल्डिंग गिरी है। सूचना मिलते ही पांच दमकल की पांच टीमों को मौके पर भेजा गया। वहीं घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि इस बिल्डिंग में कई दिनों से निर्माण कार्य चल रहा था। बिल्डिंग के दो फ्लोर नीचे गिर चुके हैं, जिसमें कई मजदूर दब गए हैं। खबर लिखे जाने तक एक व्यक्ति को दमकल विभाग ने बाहर निकाला। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

औरंगजेब लेन की जगह डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लेन का पोस्टर लगाया गया

नई दिल्ली। दिल्ली के औरंगजेब लेन का नाम बदलकर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लेन कर दिया गया है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने बोर्ड पर पुराने स्टीकर को हटाकर नया स्टीकर लगा दिया है।

एनडीएमसी के अधिकारियों की देखरेख में गुरुवार को कर्मचारियों ने औरंगजेब लेन के स्टीकर को हटाया और उस बोर्ड पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लेन का स्टीकर लगा दिया। अब यह सड़क डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम लेन के

नाम से जानी जाएगी। कुछ दिनों पहले ही एनडीएमसी ने औरंगजेब लेन का नाम बदलने के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसके बाद एनडीएमसी के कर्मचारियों ने इस नए बोर्ड को लगा दिया है। एनडीएमसी ने अगस्त 2015 में औरंगजेब रोड का नाम बदलकर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड कर दिया था। अब औरंगजेब लेन का नाम भी बदल दिया गया है। औरंगजेब लेन मध्य दिल्ली के अब्दुल कलाम रोड को पृथ्वीराज रोड से जोड़ती है।

एनडीएमसी क्षेत्र के अंतर्गत औरंगजेब लेन का नाम बदलकर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लेन करने पर विचार करने के लिए एक प्रस्ताव रखा गया था, जिसे मंजूरी दे दी गई। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने कहा, अब्दुल कलाम लेन नई दिल्ली नगरपालिका अधिनियम, 1994 की धारा 231 की उप-धारा (1) के खंड (ए) के संदर्भ में है। उन्होंने कहा कि परिषद ने औरंगजेब लेन का नाम बदलकर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लेन करने को मंजूरी दे दी थी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुलामी के प्रतीकों से आजादी दिलाने की पहल कर रहे हैं। आज राजधानी दिल्ली के औरंगजेब लेन का नाम बदल कर डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम लेन कर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में दिल्ली सरकार के जीएसटी कलेक्शन में 15 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में दिल्ली सरकार के जीएसटी कलेक्शन में 15 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि हुई हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के जीएसटी कलेक्शन 6985.05 करोड़ की तुलना में इस साल की पहली तिमाही में दिल्ली में जीएसटी कलेक्शन 8028.91 करोड़ रहा है। इस बाबत प्रेस वार्ता में वित्त मंत्री आतिशी ने जानकारी दी कि जीएसटी कलेक्शन में रिकॉर्ड वृद्धि के साथ हमने साबित किया कि अगर नियत सही हो तो सरकारों के पास पैसे की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल की सरकार में पिछले 8 सालों में जनता पर कोई नया टैक्स लगाए बिना लगातार बजट बढ़ाया गया है। दिल्ली की इकॉनमी और बजट ग्रोथ ने साफ कर दिया है कि यदि सरकार ईमानदार हो तो सरकारी सरकारी खजाने में पैसे बढ़ते हैं। इसलिए जो सरकारें कहती है कि हमारे पास पैसे नहीं हैं, उनके सामने केजरीवाल सरकार उदाहरण है कि एक ईमानदार सरकार के रूप में हमने न केवल अपना राजस्व बढ़ाया बल्कि उससे दिल्ली वालों को अच्छे स्कूल, मोहल्ला क्लिनिक और अच्छे अस्पताल भी दिए हैं।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली में जब से अरविन्द केजरीवाल की सरकार बनी है, तबसे लगातार दिल्ली

सरकार का बजट बढ़ता गया है। 2014-15 में दिल्ली का कुल बजट 30,000 करोड़ था। मात्र 5 साल में कोई भी नया टैक्स लगाये बिना अरविन्द केजरीवाल की सरकार ने इस बजट को दुगुना कर दिया और 2020 के आते-आते दिल्ली का बजट 60,000 करोड़ हो गया। उसके बाद इस साल दिल्ली का बजट बढ़कर 75,000 करोड़ हो गया है। इससे साफ़ है कि यदि सरकार ईमानदार हो तो किसी भी सरकार में पैसे की कमी नहीं होगी। इसका ट्रेंड दिल्ली के जीएसटी कलेक्शन के रूप में देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली एक ऐसा राज्य है, जहां लगातार जीएसटी कलेक्शन बढ़ा है। जीएसटी के आंकड़ों को देखें तो 2018-19 में जब जीएसटी की शुरुआत हुई थी तब पहली तिमाही का जीएसटी कलेक्शन 4419.71 करोड़ था। 2019-20 में बढ़कर 4668.23 हुआ। 2020-21 में पहले तिमाही में लॉकडाउन के कारण व्यापार बंद था तब ये आंकड़ा नीचे आया और जीएसटी कलेक्शन 2474.78 करोड़ रहा।

जैसे ही लॉकडाउन खुला जीएसटी कलेक्शन बढ़ा और 2021-22 में पहली तिमाही में यह 4014.98 करोड़ रहा। पिछले साल(2022-23) की पहली तिमाही में जीएसटी कलेक्शन 6985.05 करोड़ रहा। उन्होंने कहा कि आज ये बताते हुए खुशी हो रही है कि वित्त वर्ष 2023-24 में पहली तिमाही का जीएसटी कलेक्शन 15 फीसदी बढ़कर 8028.91 करोड़ रहा है।

तीस हजारी कोर्ट फायरिंग: दोनों गुटों के मुख्य आरोपित गिरफ्तार, अब तक पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट परिसर में वकीलों के बीच फायरिंग और पथराव मामले में शामिल पांच आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए तीन आरोपितों के पास से पुलिस ने तीन देसी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। साथ ही पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो कारें भी जब्त की हैं। पुलिस ने तीनों आरोपितों को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने मामले में पूछताछ के लिए तीनों आरोपितों को चार दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि वकीलों के दोनों गुटों के प्रमुखों मनीष शर्मा और ललित शर्मा को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। छापेमारी अभी भी जारी है।

डीसीपी सागर से कलसी ने बताया कि बुधवार दोपहर के समय तीस हजारी कोर्ट में वकीलों के बीच फायरिंग और पथराव की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए जांच के लिए कई टीमों का गठन किया। जांच के बाद

पुलिस ने वायरल वीडियो और फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अमन सिंह, सचिन सांगवान और रवि गुप्ता के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कोर्ट में हुई घटना के बाद परिसर में लगे सीसीटीवी से आरोपितों की पहचान की। इसके बाद सब्जी मंडी, कश्मीरी गेट, कोतवाली और लाहौरी गेट थाने की पुलिस टीमों के साथ-साथ डिस्ट्रिक्ट ऑपरेशन सेल की टीम का गठन किया गया।

एसओएल के छात्रों की मांगों को लेकर अभाविप ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बुधवार को एसओएल की विभिन्न शैक्षणिक मांगों को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय के एग्जामिनेशन विभाग के बाहर प्रदर्शन किया।

विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मांगों को जल्द से जल्द पूर्ण करने की मांग की। एसओएल के विद्यार्थियों को लम्बे समय से परीक्षाओं एवं परिणाम से सम्बंधित विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके लिए अभाविप ने एसओएल का एक अलग परीक्षा विभाग बनाये जाने की मांग भी प्रशासन से की है।

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध एसओएल (मुक्त शिक्षा विद्यालय) दूरस्थ शिक्षा का केन्द्र है। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं लेकिन प्रशासन की लापरवाही के कारण इसमें पढ़ने वाले छात्रों को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अभाविप ने इन समस्याओं का संज्ञान लेते हुए आज एसओएल मेन गेट से लेकर एक्जामिनेशन विभाग तक मार्च

निकाल कर एग्जामिनेशन विभाग के सामने विरोध प्रदर्शन किया व एग्जामिनेशन ओएसडी अजय अरोड़ा को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में सेमेस्टर रिजल्ट को जल्द से जल्द घोषित करने, रिजल्ट में आ रही गड़बड़ियों को ठीक करने, परीक्षा में आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए एक अलग एग्जामिनेशन विभाग की स्थापना करने तथा फेल हुए छात्रों के लिए स्पेशल एग्जाम करवाने की मांग की।

नोएडा में पत्नी पर हमला करने वाला हिंसक पति गिरफ्तार

नोएडा। तनाव के कारण घरेलू कलह अब हिंसा का रुप अख्तियार करता जा रहा है। ऐसी ही एक वारदात थाना दनकौर के देवटा गांव में हुई है। घरेलू कलह के बाद पति ने अपनी पत्नी पर पर जान लेवा हमला बोल दिया और चेहरे पर वार कर गंभीर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि 4 जुलाई को मुकेश कुमार नामक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बहन बबीता के साथ उसके जीजा नेत्रपाल ने मारपीट कर धारदार हथियार से हमला कर हत्या करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने नेत्रपाल को गिरफ्तार कर लिया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त खून से सना हुआ एक चाकू बरामद किया है।

देश में पहली बार दिल्ली में शुरू हुई दिल्ली रोबोटिक्स लीग और एचई-21 प्रदर्शनी

नई दिल्ली। देश में पहली बार दिल्ली में दिल्ली रोबोटिक्स लीग और एचई-21 प्रदर्शनी की शुरुआत हुई है। त्यागराज स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय लीग एवं प्रदर्शनी में 38 स्कूलों की 68 टीमें हिस्सा ले रहीं हैं। इस दौरान रोबो कंचा थीम पर छात्रों ने मॉडल पेश किए और सात एचई-21 स्कूलों के 90 छात्रों ने प्रदर्शनी में अपने 26 प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए।

लीग का उद्घाटन कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार बनने के आठ साल बाद पूरी दुनिया के अंदर सबसे अच्छी शिक्षा दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मिल रही है। लीग में हिस्सा ले रहे बच्चों ने बहुत ही शानदार प्रोडक्ट बनाए हैं। हमारे समय में इस तरह के प्रोडक्ट बनाने के बारे हम सोच भी नहीं सकते थे। इन बच्चों ने अपने इनोवेशन के जरिए रोजमर्रा की जिंदगी से संबंधित समस्याओं का समाधान तकनीक के जरिए निकाला है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आतिशी, शिक्षा सचिव अशोक कुमार, एसओएसई की सदस्य सचिव नंदिनी महाराज, डीबीएसई के सीईओ केएस उपाध्याय समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी और स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि यह दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित की जाने वाली अपनी तरह की अनूठी प्रतियोगिता है। 8-9 साल पहले तक किसी ने भी ऐसे दिन की कल्पना नहीं की होगी, जब दिल्ली सरकार के छात्र रोबोटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे लेकिन आज हम दिल्ली रोबोटिक्स लीग के अंतिम दौर की मेजबानी कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्रों को रोबोटिक्स में अपने कौशल को विकसित करने और प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, जो 21वीं सदी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रोबोटिक्स में अपनी भागीदारी के माध्यम से छात्र क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम सोल्विंग स्किल्स के साथ टीम में काम करना भी सीख रहे है।

2022 में हुई दिल्ली रोबोटिक्स लीग की शुरुआत

उल्लेखनीय है कि स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस ने आईआईटी दिल्ली के आई-हब फाउंडेशन फॉर कोबोटिक्स टेक्नोलॉजी हब के साथ मिलकर दिसंबर 2022 में दिल्ली रोबोटिक्स लीग की शुरुआत की थी। दिल्ली रोबोटिक्स लीग की थीम और वेबसाइट को 16 दिसंबर को लॉन्च किया गया था। इसके बाद इस प्रतियोगिता में स्टूडेंट्स की भागीदारी के लिए दिल्ली के सभी स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस में 30 से अधिक बूट कैंप लगाए थे।

शिक्षा निदेशालय को इस प्रतियोगिता के लिए 287 आवेदन प्राप्त हुए थे। स्टूडेंट्स ने रोबोटिक्स लीग में आवेदन के समय अपने रोबोट के बारे में जानकारी देते हुए एक वीडियो भी अपलोड किया था। इसके आधार पर शिक्षा निदेशालय ने फाइनल राउंड में 68 टीमों को चयनित किया। इन्हें अब प्रतियोगिता में शामिल होकर अपने रोबोट को दुनिया के सामने पेश करने का मौका मिल रहा है।

- इलेक्ट्रिक ईगल मोबाइल एप- छात्रों द्वारा डिजाइन किया गया इलेक्ट्रिसिटी सेविंग मोबाइल एप ऊर्जा खपत पर विस्तृत जानकारी देने में मदद करता है। रियल टाइम मॉनिटरिंग, पर्सनल रिकमेंडक्शन और एनर्जी सेविंग के लिए टिप्स भी देता है।

- स्मार्ट एआई वाला चश्मा- यह एक ऐसा चश्मा है, जो फेस ब्लाइंडनेस की दुर्लभ बीमारी से पीड़ित लोगों की मदद के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये चश्मा यूजर के सामने खड़े किसी भी व्यक्ति के फेस को पहचान सकता हैं और ब्लूटूथ इयरफोन के माध्यम से यूजर का नाम बता सकते हैं।

- वॉयस एक्टिवेटेड व्हीलचेयर- इसे दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि एक समावेशी समाज बन सके।

- फायर फाइटिंग बॉट- ऑटोमेटिक काम करने वाले बॉट आग का पता लगाने और उसे बुझाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका उद्देश्य आग की दुर्घटनाओं को रोकना और सुरक्षित शहरी स्थान बनाना है।

- क्रिप्टोकरेंसी (भविष्य के लिए समाधान)- क्रिप्टोकरेंसी कैसे विकसित होती है, दुनिया भर में इसका असर और वितरण कैसे होता है और यह ब्लॉकचेन के इस्तेमाल को दर्शाता है।

- ऑटोमेटेड हाइड्रोपोनिक सिस्टम- स्मार्ट खेती को बढ़ावा देने और हरित भविष्य के लिए गैर-पारंपरिक तरीकों को अपनाने के विचार के साथ डिज़ाइन किया गया है।

राजधानी में बाढ़ और जलजमाव से निपटने को फ्लड कंट्रोल आर्डर जारी

नई दिल्ली। दिल्ली की राजस्व मंत्री आतिशी ने बाढ़ एवं सिंचाई नियंत्रण विभाग व पीडब्ल्यूडी विभाग का 'फ्लड कंट्रोल आर्डर' 2023 जारी कर दिया। इस मौके पर मंत्री आतिशी ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस साल शहर में सेंट्रल कंट्रोल रूम सहित 16 कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं जो यमुना के जलस्तर सहित जलजमाव वाले इलाकों पर हर समय नजर बनाए रखेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग अपनी टीमों को अलर्ट पर रखें और मानसून के दौरान हर आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान जलजमाव या बाढ़ जैसी समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी नोडल एजेंसियों को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है।

उन्होंने खादर इलाके में यमुना के जलस्तर के बढ़ने के कारण आने वाले बाढ़ की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि चेकलिस्ट के साथ राहत और बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले सभी उपकरणों की जांच हो। इसके अलावा बाढ़ की स्थिति में लोगों को सकुशल सुरक्षित स्थानों पर भेजने के लिए पुख्ता इंतज़ाम किए जाएं। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में मानसून के दौरान जलजमाव व यमुना नदी के जलस्तर बढ़ जाने के कारण खादर क्षेत्र में बाढ़ जैसी समस्या उत्पन्न न हो। इससे बचने के लिए सभी नोडल एजेंसियों को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पिछले साल भी सभी एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से इन समस्याओं से निपटने में काफी हद तक मदद मिली

थी। इस बार भी राजस्व विभाग, बाढ़ एवं सिंचाई नियंत्रण विभाग, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य संबंधित विभाग मानसून के दौरान बाढ़ जैसी आपदा से निपटने के लिए तैयार रहें।

बाढ़ व जलजमाव से निपटने के लिए पीडब्ल्यूडी व बाढ़ एवं सिंचाई नियंत्रण विभाग की तैयारियां इस प्रकार हैं

पीडब्ल्यूडी:

-दिल्ली में पीडब्ल्यूडी ने 128 पंप हाउस स्थापित किए हैं, जिनमें 700 से अधिक पंप हैं।

-11 पंप हाउस पूरी तरह से आटोमैटिक हैं, जो सेंसर के माध्यम से पानी के स्तर के बढ़ते ही स्वतः चालू हो जाते हैं।

-मानसून में जरूरत पड़ने पर पीडब्ल्यूडी अपने मोबाइल पंप यूनिट भी तैनात करेगी।

-पीडब्ल्यूडी के नालों की डी-सिल्टिंग का काम लगभग पूरा हो चूका है और मानसून के बाद दोबारा डी-सिल्टिंग का काम किया जायेगा।

- मानसून के दौरान पीडब्ल्यूडी का सेंट्रल कंट्रोल रूम गंभीर जलजमाव वाले स्थानों की 24 घंटे सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी कर रहा है।

-लोग जलजमाव संबंधित शिकायतें दर्ज कर सकें, इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने मानसून के दौरान हेल्पलाइन नंबर 8130188222,1800110093 जारी किया है।

-पीडब्ल्यूडी ने 165 जलजमाव वाले क्षेत्र चिह्नित किए हैं। यहां की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जलजमाव से निपटने की तैयारी की जा रही है।

बाढ़ और सिंचाई नियंत्रण विभाग

राजधानी दिल्ली में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के तहत कुल 57 ड्रेन हैं, जिनकी कुल लंबाई करीब 382 किमी है। इन नालों की सफाई के लिए 53 विभागीय मशीनें तैनात हैं। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से 15 जून, 2023 तक 7,86,497 मीट्रिक टन की डी-सिल्टिंग की जा चुकी है। दिल्ली में एस्केप ड्रेन नंबर 1, बिहारीपुर नाला, बंद नाला, रिलीफ ड्रेन, किराड़ी सुलेमान नगर नाला, पंखा रोड नाला और नसीरपुर आदि मानसून में परेशानी पैदा करने वाले प्रमुख नाले हैं। ऐसे में लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसी को ध्यान में रखते हुए सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा नालियों से गाद निकालने, विशेष रूप से पुलियों के नीचे से गाद हटाने का कार्य किया जा चुका है।

क्या है बाढ़ नियंत्रण आदेश

बाढ़ नियंत्रण आदेश (फ्लड कंट्रोल आर्डर) में बाढ़ नियंत्रण से संबंधित सभी मशीनरी, संचालन की योजना और जल निकासी प्रणाली, नदी तटबंधों, नियामकों, पंपिंग स्टेशनों आदि से संबंधित सभी जरूरी जानकारी शामिल होती है। साथ ही इसमें सभी नोडल एजेंसियों के कण्ट्रोल सेंटर के संपर्क नंबर और संबंधित एजेंसियों/विभागों के बीच सक्रिय भागीदारी और समन्वय के साथ बाढ़ के खतरे से निपटने के लिए आवश्यक जानकारी शामिल होती है।

बढ़ेगा दिल्ली का हरित क्षेत्र, 9 जुलाई से शुरू होगा वन महोत्सव - गोपाल राय

नई दिल्ली। राज्य के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस बैठक में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक के दौरान दिल्ली में हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 9 जुलाई से वन महोत्सव की शुरुआत करने का निर्णय लिया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईएआरआई, पूसा) से इस अभियान की शुरूआत होगी और इसका समापन समारोह 20 अगस्त को छत्रसाल स्टेडियम में किया जाएगा।

वन महोत्सव कार्यक्रम में ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की जाएगी, जहां से दिल्लीवासी मुफ्त पौधे की बुकिंग कर सकेंगे। दिल्ली के अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में इस अभियान को चलाया जाएगा। साथ ही निःशुल्क औषधीय पौधों के वितरण का कार्य भी इस वन महोत्सव के दौरान किया जाएगा। बैठक के बाद दिल्ली सचिवालय मेंआयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के अंदर प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में हर समय मौजूद रहता है। हमारी सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए लगातार काम किए हैं। उन तमाम उपायों के परिणामस्वरूप दिल्ली के अंदर प्रदूषण के स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है और दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इज़ाफ़ा देखा गया है। दिल्ली में जहाँ साल 2013 में हरित क्षेत्र 20 फीसदी था वह केजरीवाल सरकार के प्रयासों के कारण, साल 2021 में बढ़कर 23.06 फीसदी हो गया है। साथ ही शहरों के प्रति व्यक्ति फॉरेस्ट कवर के मामले में दिल्ली पूरे देश में नंबर वन हो गया है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए समर एक्शन प्लान के 14 बिन्दुओ में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए 9 जुलाई से अगले पूरे 7 हफ्तों तक चलने वाले इस अभियान में लाखों वृक्ष लगाए जाएंगे।

वन मंत्री ने बताया कि इस साल हमारी सरकार 9 जुलाई से 20 अगस्त तक प्रत्येक रविवार को दिल्ली के अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में वृक्षारोपण और पौधा वितरण के जरिये वन महोत्सव को पूरी दिल्ली के साथ मिलकर मनाएगी। इस कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के आरडब्लूए के मेंबर्स और ईको क्लब्स के बच्चे और अध्यापक भी मौजूद रहेंगे।

वन महोत्सव का कार्यक्रम कुछ इस प्रकार है :

-9 जुलाई - आईएआरआई, पूसा (नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र)।

-16 जुलाई - गढ़ी मांडू (उत्तर पूर्वी दिल्ली)।

-23 जुलाई - रेवला खानपुर (पश्चिमी दिल्ली)।

-30 जुलाई ङ्क भाटी माइंस, गेट नं 7 (दक्षिणी दिल्ली)।

-6 अगस्त - दिल्ली विश्वविद्यालय पोलो ग्राउंड (चांदनी चौक)।

-13 अगस्त - एनएच 24, यमुना बैंक मैट्रो स्टेशन के पास (पूर्वी दिल्ली)।

-20 अगस्त- छत्रसाल स्टेडियम (उत्तर पश्चिमी दिल्ली)।

उन्होंने बताया की दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। केजरीवाल सरकार के दूसरे कार्यकाल यानी साल 2020 से जबसे हमारी सरकार बनी है 2022 - 23 तक 1 करोड़ 18 लाख पौधे लगाए गए हैं।

नोएडा में सफाई कर्मी शराब के नशे में कूदा नाले में, शव बरामद,पुलिस जांच में जुटी

नोएडा। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव के पास स्थित बड़े नाले में एक व्यक्ति शाम को शराब के नशे में कूद गया। इस घटना में वह नाले के तेज बहाव वाले पानी में वह डूब गया। पुलिस तथा गोताखोर ने के बाद उसके शव

को सेक्टर-101 के नाले से बरामद किया है।

थाना सेक्टर-49 के प्रभारी संदीप चौधरी ने बताया कि बरौला गांव के बाल्मीकि कॉलोनी में रहने वाला सफाई कर्मी सुभाष उर्फ छोटे लाल उर्फ सेठी उम्र 35 वर्ष बृहस्पतिवार की शाम को शराब के नशे में बरौला गांव के पास से बह रहे बड़े नाले में कूद गया। बारिश के चलते नाले में काफी पानी भरा था, तथा पानी का बहाव तेज था। उन्होंने बताया कि देखते ही देखते वह पानी में डूब गया। उन्होंने बताया कि पुलिस और गोताखोर की टीम ने आज अथक प्रयास के बाद दोपहर को सेक्टर-101 के नाले से शव को बरामद किया है। उन्होंने बताया कि शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

(हिन्दी दैनिक) खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210